राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,25 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–298 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल गांधी की पदयात्रा में शामिल हुई प्रियंका, सचिन पायलट भी चले साथ; अशोक गहलोत की बढ़ेगी टेंशन

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों 'भारत जोड़ो यात्रा' पर हैं। इस यात्रा में आज उनकी बहन और पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा भी शामिल हुए। दोनों को पहली बार भारत जोड़ो यात्रा का हिस्सा बनते हुए देखा गया है। उनके बेटे रेहान वाड्रा भी यात्रा में शामिल हुए हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा आज राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की चिंता को बढ़ा सकती है। प्रियंका गांधी के साथ सचिन पायलट को भी इस यात्रा का हिस्सा बनते हुए देखा गया। आपको बता दें कि पहले भी ऐसी कई खबरें सामने आ चुकी हैं कि प्रियंका और राहुल राजस्थान की कमान सचिन पायलट को देने के पक्षधर हैं। इससे पहले जब सचिन पायलट और उनके खेमे के विधायकों ने बागी तेवर अपनाए थे तो प्रियंका गांधी ने ही उन्हें मनाया था।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' मध्य प्रदेश में 380 किलोमीटर का फासला तय करने के बाद चार दिसंबर को राजस्थान में प्रवेश करेगी। पायलट पड़ोसी मध्य प्रदेश में ऐसे समय में यात्रा में शामिल हुए, जब यात्रा के राजस्थान पहुंचने से पहले इस कांग्रेस शासित राज्य में नेतृत्व में बदलाव की मांग एक फिर जोर पकड़ने लगी है। पूर्व उप मुख्यमंत्री के समर्थकों ने मुख्यमंत्री पद के लिए उनके नाम को लेकर दबाव बनाना शुरू कर दिया है।

मध्य प्रदेश में इस यात्रा के दूसरे दिन राहुल ने खंडवा जिले के बोरगांव से पैदल चलना प्रारंभ किया। यात्रा में प्रियंका के साथ उनके पति रॉबर्ट वाड्रा और बेटे रेहान भी पैदल चलते दिखाई दिए। राहुल जब पदयात्रा पर निकलते हैं तो सड़क के दोनों ओर पुलिस कर्मी उनकी सुरक्षा के लिए रस्सियों का सुरक्षा घेरा बनाकर साथ चलते हैं। प्रियंका के यात्रा में शामिल होने के बाद कांग्रेस के उत्साहित कार्यकर्ता भाई-बहन के समर्थन में नारेबाजी करते हुए उनके करीब आने की बार-बार कोशिश करते दिखाई दिए। उन्हें सुरक्षित घेरे से दूर करने के लिए पुलिस कर्मियों को अतिरिक्त मशक्कत करनी पड़ी।

आपको बता दें कि पहले भी ऐसी कई खबरें सामने आ चुकी हैं कि प्रियंका और राहुल राजस्थान की कमान सचिन पायलट को देने के पक्षधर हैं। इससे पहले जब सचिन पायलट और उनके खेमे के विधायकों ने बागी तेवर अपनाए थे तो प्रियंका गांधी ने ही उन्हें मनाया था।

बहरहाल, सूर्योदय के बाद जब बोरगांव से यात्रा ने मध्य प्रदेश में अपने दूसरे दिन में प्रवेश किया तो पहले दिन के मुकाबले भीड़ कम नजर आई, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही इसमें लोगों और गाड़ियों का काफिला बढ़ता गया।

दिल्ली में पार्किंग की समस्या को खत्म करेगी भाजपा-आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली नगर निगम में सरकार आते ही, दिल्ली में पार्किंग की समस्या को दूर करने के लिए तेजी से काम शुरू हो जाएगा। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने वीरवार को कहा कि दिल्ली में 100 से ज्यादा मॉर्डन पार्किंग स्थल बनाने का काम भाजपा ने किया है। निगम में दोबारा सत्ता में आते ही हम दिल्ली में पार्किंग की समस्या खत्म कर देंगे। आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में हमने जिस तरह पार्किंग स्थलों का निर्माण शुरु किया है। उसको देखते हुए हम दावे से कह सकते हैं कि इस बार जनता के आर्शिवाद के बाद हम दिल्ली को बहुत सारे पार्किंग स्थल बना देंगे। उन्होंने कहा कि ग्रीन पार्क, चांदनी चौक, करोल बाग में हमने जो मॉर्डन पार्किंग बनाई है, उसकी तारीफ तो लगातार हमें मिल ही रही है। दिल्ली में लोग आसानी से अपनी गाड़ी पार्किंग में खड़ी कर सके और वो निश्चिंत होकर अपने काम को कर सके, इसकी कोशिश भाजपा नगर निगम में लंबे समय से कर रही है।

उन्होंने कहा कि जहां तक प्राइवेट गाड़ियों की बात है दिल्ली में इनकी संख्या देश के बाकी शहरों के मुकाबले सबसे ज्यादा है, यहां एक करोड़ से ज्यादा गाड़ियां हैं, रोजाना 1200 से 1400 नई गाड़ियां दिल्ली की सड़कों पर पंजीकृत होती हैं। ऐसे में जरुरत इस बात की है कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बेहतर करें। लेकिन दिल्ली सरकार ने दिल्ली की पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को धवस्त कर दिया है। दिल्ली में जितनी बसें खरीदी जानी थी, वो नहीं खरीदी गई, लिहाजा दिल्ली में पार्किंग पर दबाब बढ़ गया है। आदेश गुप्ता ने कहा कि हम सत्ता में वापसी करते ही जो प्रोजेक्ट लांच हुए हैं, उनमें से कुछ अगर पूरे नहीं हुए तो उन्हें पूरा करेंगे और साथ ही साथ कई सारे नए प्रोजेक्ट भी लेकर आएंगे।

विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले में बीजेपी महासचिव का भी नाम

पुलिस ने थमाया हाजिर होने का नोटिस

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति के चार विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले में तेलंगाना पुलिस की एसआईटी ने गुरूवार को बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष और तीन अन्य को भी आरोपी बनाया है। इसके साथ ही इस मामले में आरोपियों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। पुलिस ने बीजेपी महासचिव संतोष को हाईकोर्ट के आदेश पर दूसरा नोटिस थमाया है, जिसमें उन्हें 26 या 28 नवंबर को पूछताछ के लिए हाजिर होने के लिए कहा गया है। इससे पहले एसआईटी ने संतोष और अन्य को 21 नवंबर को पूछताछ के लिए पेश होने को लेकर नोटिस जारी किया था। विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त की जांच एक विशेष जांच दल द्वारा की जा रही है। आरोप है कि टीआरएस के चार विधायकों को बड़ी रिश्वत देकर खरीदने और दल-बदल कराने की कोशिश थी। अक्टूबर में मामला सामने आने के बाद तेलंगाना सरकार ने मामले की जांच कराने के आदेश दिए थे। तब एसआईटी ने मामले में तीन लोगों को पहले आरोपी बनाया था। एसआईटी ने एंटी करप्शन ब्यूरो की विशेष अदालत में एक मेमो दायर किया, जिसमें बीएल संतोष, भारत धर्म जन सेना के प्रमुख तुषार वेल्लापल्ली, केरल के डॉक्टर जग्गू कोटिलिल और अधिवक्ता भुसारपु श्रीनिवास को मामले में आरोपी बनाया गया है। मामला सायबराबाद सीमा के मोइनाबाद पुलिस थाने में दर्ज किया गया है। मुख्य आरोपी रामचंद्र भारती, के नंद कुमार और सिम्हाजी स्वामी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। एसआईटी के अधिकारी सीआरपीसी की धारा 41-ए के तहत वाईएसआर कांग्रेस के बागी सांसद के रघु राम कृष्ण राजू को भी नोटिस भेजने की योजना बना रहे हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि असंतुष्ट राजनयिक इस मामले में कैसे शामिल है। एसआईटी डॉ जग्गू के भाई मणिलाल और उनके तीन निजी सहायकों और अमृता अस्पताल के मुख्य सुरक्षा अधिकारी जहां डॉक्टर काम कर रहे थे, को भी धारा 41-ए के तहत नोटिस भेज रही है।

शिवराज निवेशकों से चर्चा के लिए बेंगलुरु में

बेंगलुरु/भोपाल। इंदौर में जनवरी के दूसरे सप्ताह में प्रस्तावित वैश्विक निवेशक सम्मेलन की व्यापक तैयारियों के बीच मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बेंगलुरू में देश के प्रमुख उद्योगपतियों और व्यावसायिक समूहों के पदाधिकारियों से चर्चा कर उन्हें राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित करने के कार्य में जुटे हैं।

श्री चौहान के नेतृत्व में राज्य सरकार का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार से बेंगलुरु की यात्रा पर है। श्री चौहान ने बुधवार की रात्रि में 'नेटवर्किंग डिनर' आयोजित कर 45 निवेशकों के साथ चर्चा की। इस दौरान मुख्य रूप से वस्त्र एवं परिधान, सूचना प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रानिक्स, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, फूड प्रोसेसिंग आदि क्षेत्रों से जुड़े उद्योगपति और उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार श्री चौहान ने उद्योगपतियों से राज्य में निवेश करने के

साथ ही जनवरी के दूसरे सप्ताह में इंदौर में आयोजित निवेशक सम्मेलन में शामिल होने के लिए उन्हें न्यौता दिया। इस दौरान उद्योगपतियों को राज्य में निवेश के लिए सरकार की ओर से देने वाली सुविधाओं के बारे में बताया गया। उद्योगपतियों ने भी निवेश करने को लेकर उत्साह प्रदर्शित किया।

सूत्रों ने कहा कि आज भी श्री चौहान सुबह से ही उद्योगपतियों से वन टू वन चर्चा करेंगे। निवेशकों को स्टार्टअप (यूनीकॉर्न) के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं के बारे में भी बताया जा रहा है। राज्य में अभी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। वस्त्र और परिधान उद्योगों में भी निवेश की प्रचुर संभावनाएं हैं।

राज्य सरकार इंदौर में 11 और 12 जनवरी को वैश्विक निवेशक सम्मेलन (ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट) 2023 आयोजित कर रही है। इसके लिए पिछले कई माहों से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। खासतौर से राज्य सरकार का उद्योग विभाग का महकमा इस कार्य में लगा हुआ है और श्री चौहान स्वयं इन कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

मराठी फिल्म अभिनेता विक्रम गोखले का निधन

मुंबई। पुणे के एक अस्पताल में भर्ती मराठी फिल्मों के दिग्गज अभिनेता विक्रम गोखले का निधन हो गया। गोखले 82 साल के थे। गोखले के निधन से फिल्म जगत में शोक की लहर फैल गई है। विक्रम गोखले को 15 दिन पूर्व पुणे के लता मंगेशकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुरुआत में उनकी सेहत में सुधार देखा गया था, लेकिन फिर अचानक उनकी बुधवार को तबीयत बिगड़ गई। बीमारी से लड़ते-लड़ते लंबी बीमारी के बाद गोखले जिंदगी की जंग हार गए। विक्रम गोखले 82 साल के थे। हिंदी और मराठी फिल्मों के दिग्गज अभिनेता विक्रम गोखले ने कई सुपरहिट फिल्में दी थी। उन्होंने 26 साल की उम्र में साल 1971 में अपना

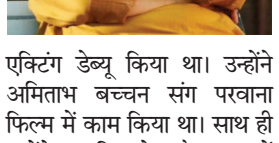

एक्टिंग डेब्यू किया था। उन्होंने अमिताभ बच्चन संग परवाना फिल्म में काम किया था। साथ ही इन्होंने हम दिल दे चुके सनम में ऐश्वर्या राय बच्चन के पिता की भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने भूल भुलैया, दिल से, दे दना दन, हिचकी, निकम्मा और अक्षय कुमार की मिशन मंगल जैसी हिट फिल्मों में काम किया था। गोखले के निधन की खबर फैलते ही सोशल मीडिया पर उनके फैंसों के साथ बॉलीवुड कलाकारों की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि देने का तांता लगा है। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने ट्वीट किया कि, 'विक्रम गोखले सर द्वारा निभाई गई उनकी भूमिकाओं में काफी गंभीरताएं थीं। वह हमेशा डटे रहे। मुझे उनके साथ स्क्रीन टाइम शेयर करने का सौभाग्य मिलाद्ध उनका जाना बेहद दुखद है।

शिक्षा विभाग का स्कूलों को नया फरमान, छात्रों को लेकर जारी किए ये आदेश

लुधियाना। स्कूल शिक्षा विभाग पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (सेकेंडरी /एलीमेंट्री शिक्षा) को विद्यार्थियों को शैक्षणिक टूर पर ले जाने के लिए विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसके अनुसार शैक्षणिक टूर पर विद्यार्थियों को ले जाने से पहले संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी से अनुमति लेनी होगी और स्कूल प्रमुख को शैक्षणिक टूर ले जाने के इच्छुक विद्यार्थियों के माता-पिता से लिखित सहमति लेनी अनिवार्य होगी।

स्कूल प्रमुख द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि शैक्षणिक टूर विद्यार्थियों

के पाठ्यक्रम से संबंधित होने के साथ-साथ उनकी जानकारी में वृद्धि करने वाला हो। विभाग ने कहा है कि टूर पर जाने वाले हर एक विद्यार्थी के पास पहचान पत्र होना जरूरी है और स्कूल प्रमुख द्वारा एक प्रोफॉर्मा तैयार किया जाएगा जिसमें विद्यार्थियों का पूरा विवरण जैसे कि माता-पिता का नाम, घर का पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी लिखा होगा और इस विवरण की एक कॉपी शैक्षणिक टूर पर जाने वाले विद्यार्थियों और अध्यापकों के पास भी होगी। स्कूल प्रमुख द्वारा शैक्षणिक टूर पर जाने वाले विद्यार्थियों के साथ स्कूल के सीनियर और जिम्मेदार अध्यापक की ड्यूटी लगाई जाएगी और टूर में लड़कियां भी शामिल है तो महिला अध्यापकों का टूर के साथ जाना सुनिश्चित किया जाएगा। विभाग के मुताबिक टूर जिन स्थानों पर लेकर जाना है वहां के कमिश्नर / मजिस्ट्रेट / सम्बंधित अथोरिटी को सूचित किया जाएगा। टूर में भाग लेने वाले विद्यार्थियों से स्व- घोषणा ली जाएगी कि वह टूर के लिए बनाये गए नियमों के पाबंद रहेंगे और स्कूल प्रमुख स्व;घोषणा के रूप में यह तय करेगा कि में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को इमरजेंसी के दौरान जरूरी सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर टकराव, सरकार ने एसी को क्यों याद दिलाई 'लक्ष्मण रेखा'

नई दिल्ली। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाने और उसमें सुधार की बातों को लेकर सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के बीच टकराव की स्थिति बनती दिख रही है। जस्टिस केएम जोसेफ की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय बेंच ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए मंगलवार को कहा था कि आखिर चुनाव आयोग कैसे पीएम के खिलाफ फैसला ले सकता है, जिसके सदस्य सरकार ने ही चुने हों। यही नहीं बुधवार को तो अदालत ने हाल ही में चुनाव आयुक्त बने अरुण गोयल की नियुक्ति की फाइल भी मंगा ली है, जिस पर गुरुवार को सुनवाई होनी है। एक तरफ सुप्रीम कोर्ट इस मामले में आक्रामक रुख अपना रहा है तो वहीं केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत को उसकी सीमा याद दिलाई है।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में न्यायपालिका की कोई भूमिका नहीं हो सकती। उसे इन मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। यही नहीं केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के उस सुझाव पर भी ऐतराज जताया है, जिसमें उसने कहा था कि मुख्य

न्यायाधीश की सदस्यता वाली कमेटी नियुक्ति का सबसे अच्छा तरीका हो सकती है। इस पर केंद्र सरकार ने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में चीफ जस्टिस को शामिल करना न्यायपालिका के गैर-जरूरी दखल जैसा होगा। सरकार ने साफ कहा कि यदि ऐसा होता है तो फिर यह शक्तियों के बंटवारे का उल्लंघन होगा।

सरकार बोली- जजों की एंट्री से नियुक्ति प्रक्रिया सुधरने की बात गलत

सरकार ने साफ कहा कि अदालत का यह कहना कि चीफ जस्टिस यदि नियुक्ति की प्रक्रिया में शामिल होंगे तो चीजें बेहतर होंगी पूरी तरह से गलत है। सरकार ने कहा कि यदि अयोग्य व्यक्ति को नियुक्त किया जाता है तो सुप्रीम कोर्ट उसे बाहर कर सकता है। इसके जवाब में शीर्ष अदालत ने कहा कि आखिर नियुक्ति की योग्यता क्या है, यह तो कभी तय ही नहीं हुआ। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में पारदर्शिता लाने और सरकार के दखल को कम करने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर भी सख्त ऐतराज जाहिर किया है कि आखिर जब चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर अदालत में सुनवाई हो रही है तो फिर अरुण गोयल को नियुक्ति कैसे मिली। अरुण गोयल ने सोमवार को ही चुनाव आयुक्त के तौर पर कामकाज शुरू किया है। कुछ दिनों पहले ही उन्होंने केंद्र सरकार में सचिव के पद से वीआरएस लिया था। अब अदालत ने उनकी नियुक्ति फाइल मंगाई है। साफ है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का मामला केंद्र और सुप्रीम कोर्ट के बीच टकराव का मसला बन सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जज़्बे को सलाम

आरोप है कि इस आंदोलन में अब तक बड़ी संख्या में लोग मारे जा चुके हैं, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। पूरी दुनिया में ईरानी महिलाएं और उनके समर्थन में जुटे लोग ईरान की निरंकुशता का पुरजोर विरोध कर रहे हैं। वे पिछले दो महीनों में हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के दमन के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

ईरानी किक महिलाओं के हक में/ कतर में खेले जा रहे फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के विरुद्ध एक मैच में ईरानी खिलाड़ियों ने अपना राष्ट्रगान गाने से इनकार करके अपने देश में जारी महिला अधिकारों के आंदोलन की ओर दुनिया का ध्यान खींचा है। इस इस्लामिक गणतंत्र में सख्त ड्रेस कोड के मामूली उल्लंघन के चलते एक युवती को दी गई यातना से हुई मौत के बाद पूरा ईरान आंदोलनों से उबल रहा है। लोग सड़कों पर उतर रहे हैं और 'वुमन, लाइफ, फ्रीडम' के नारे लगा रहे हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ता आरोप लगा रहे हैं कि आंदोलन के दमन के लिये शासन-प्रशासन निर्दोष लोगों को मार रहा है। आरोप है कि इस आंदोलन में अब तक बड़ी संख्या में लोग मारे जा चुके हैं, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। पूरी दुनिया में ईरानी महिलाएं और उनके समर्थन में जुटे लोग ईरान की निरंकुशता का पुरजोर विरोध कर रहे हैं। वे पिछले दो महीनों में हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के दमन के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, आक्रोश के लावे पर बैठे ईरान में 16 सितंबर को बाईस वर्षीय महसा आमिनी की मौत के बाद स्थिति बेहद खराब हो गई। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का आरोप है कि सुरक्षाबलों के साथ टकराव में जहां चार सौ के करीब लोग मारे गये हैं, वहीं करीब सत्रह हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दूसरी ओर ईरानी सत्ताधीश इस आंदोलन को पश्चिमी देशों की मदद से चलने वाले राष्ट्रविरोधी आंदोलन बता रहे हैं। दरअसल, ईरान में फुटबॉल बेहद लोकप्रिय खेल है, लेकिन उसका राजनीतिक पक्ष भी है। एशिया का माराडोना कहे जाने वाले अली करीमी इस्लामिक गणतंत्र के कटु आलोचक रहे हैं। दरअसल, ईरान में महिला अधिकारों के समर्थक विश्वकप से पहले फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों के ईरानी राष्ट्रपति से मिलने की आलोचना करते रहे हैं। वे चाहते थे कि इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के बहाने दुनिया में ईरान के हालात को उजागर किया जाये। बहरहाल, कतर में फुटबॉल विश्वकप के आयोजन स्थलों को ईरानी सत्ता विरोधी लोग विरोध के मंच में तब्दील करने की कोशिश में रहे हैं। दुनिया के मीडिया का ध्यान खींचने का कोई मौका ये लोग हाथ से नहीं जाने देना चाहते। आंदोलन के दौरान मारे गये लोगों की तस्वीरें लिए ये लोग ईरानी शासकों के खिलाफ प्रतिरोध के सुर मुखर कर रहे हैं। यही वजह है कि इंग्लैंड से हुए मुकाबले से पूर्व ईरानी फुटबॉल टीम के कप्तान ने कहा था कि खिलाड़ी ईरान के उन लोगों के समर्थन में खड़े हैं, जिन्होंने आंदोलन के दौरान जीवन गंवाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विषम हालात से लोग नाखुश हैं। हम आंदोलन के प्रति संवेदना जताते हुए विरोध करने वाले लोगों के पक्ष में खड़े हैं। यही वजह है ईरानी खेलप्रेमी अपने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिये जोर-शोर से जुटे हैं। इसके साथ ही ईरानी खिलाड़ियों को आयोजकों ने चेताया है कि वे तभी तक ईरान की महिलाओं के समर्थन में खड़े रह सकते हैं जब तक उनकी गतिविधि आयोजन व खेल की भावना का अतिक्रमण न करती हो। ऐसे में भले ही ईरान के खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रगान न गाने के निहितार्थ प्रतीकात्मक ही हों, लेकिन इस घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान जरूर खींचा है। यही सोच ईरानी आंदोलनकारियों की भी थी कि फीफा के इस बड़े मंच से ईरान में जारी दमन की तस्वीर पूरी दुनिया के सामने आ सके। दूसरी ओर ईरान सरकार इस बात पर जोर दे रही थी कि खिलाड़ी वैश्विक मंच पर ईरानी सत्ता का प्रतिनिधि चेहरा बनें। आशंका जतायी जा रही है कि खिलाड़ियों को देश लौटने पर इस कोशिश के परिणाम भी भुगतने पड़ सकते हैं। उनके परिवारों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इसकी वजह यह भी कि राजनीतिक प्रभाव वाली ईरान फुटबॉल फेडरेशन के शीर्ष सत्ता से जुड़े रिवॉल्यूशनरी गार्ड से करीबी रिश्ते रहे हैं।

सूक्ति

दूब की तरह छोटे बनकर रहो। जब घास-पात जल जाते हैं तब भी दूब जस की तस बनी रहती है। - गुरु नानक

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है। - रविन्द्रनाथ टैगोर

लॉफिंग ज़ोन

नौकर ने घबराए हुए लहजे से मालकिन से कहा, 'मालकिन गजब हो गया। अभी-अभी एक आदमी ने मालिक को एक कागज और एक पैकेट ला कर दिया। उसे देखते ही मालिक बेहोश हो गए और अभी तक होश में नहीं आए।'

मालकिन (खुश होकर), 'अच्छा, मालूम होता है जौहरी वह हार बनाकर दे गया है जिसका आर्डर मैंने पिछले हफ्ते दिया था।'

□ □ □

अमित, 'सुमित अपने बर्थडे पर तुम्हें कौन-सा गिफ्ट सबसे ज्यादा पसंद आया?'

सुमित, 'बाजा।'

अमित, 'क्यों?'

सुमित, 'क्योंकि उसे न बजाने के लिए पापा मुझे रोज पांच रूपये देते हैं।'

□ □ □

हाथी और चीटी के बच्चे में दोस्ती हो गई। दोनों खेल रहे थे कि हाथी का बच्चा परेशान हो गया।

चींटी के बच्चे ने पूछा, 'क्या बात है तुम बड़े परेशान दिखाई देते हो?'

हाथी का बच्चा बोला, 'मेरे पापा आ गए है।

चींटी का बच्चा बोला, 'तो इसमें परेशान होने की क्या बात है तुम मेरे पीछे छुप जाओ।'

□ □ □

भारतीय श्रमशक्ति की विसंगतियों के दंश

सीआईएमई डाटा और भी कम संख्या बताता है, इसके मुताबिक फरवरी, 2020 में, कोविड लॉकडाउन से पहले, कामकाजी महिला आयु वर्ग का सिर्फ 12 प्रतिशत हिस्सा या तो रोजगार सहित था या ढूंढ़ रहा था और अक्तूबर माह में यह आंकड़ा और गिरावट के बाद 10 फीसदी रह गया। चीन से तुलना करें तो वहां कामकाजी आयु वर्ग की 69 प्रतिशत औरतें श्रमशक्ति का हिस्सा हैं।

ऑनिन्दयो चक्रवर्ती

गरीब मुल्कों में लोग कमाईयुक्त रोजगार पाने के लिए बेकरार हैं। अक्सर वे अपने बच्चों को नौकरी करने की वैध 15 साल उम्र पाने से पहले ही कमाने के लिए भेजने लगते हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संस्थान (आईएलओ) का कहना है कि निम्न आय वाले देशों में कामकाजी आयु वर्ग का औसतन 66 प्रतिशत भाग या तो काम में लगा है या तलाश में है, वहीं अधिक आय श्रेणी वाले मुल्कों में यह औसत 60 फीसदी है। कारण समझा जा सकता है - उम्र कोई भी हो, गरीबों को काम करना पड़ता है जबकि अमीर यदि चाहे तो एक आयु के बाद श्रमसाध्य रोजगार से किनारा करना गवारा कर सकता है। भारत की बात करें तो, हालात और गंभीर हैं। भारत में कुल कामकाजी जनसंख्या का केवल 46 प्रतिशत हिस्सा काम करने का इच्छुक है। यह डाटा आईएलओ का है और सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनोमी (सीएमआईई) के आंकड़े और ज्यादा चौंकाते हैं। फरवरी, 2020 में, कोविड-19 से पहले, सिर्फ 44 फीसदी लोग काम करना चाहते थे। अक्तूबर, 2020 में यह संख्या गिरकर 40 फीसदी रह गई। इसका मतलब काम करने लायक भारतीयों का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा या तो कमाई वाले रोजगार में लिप्त नहीं है या फिर करना ही नहीं चाहता। इसके पीछे एक बड़ा कारण यह है कि कामकाजी आयु वर्ग की बहुत कम भारतीय महिलाएं नौकरीपेशा होना चाहती हैं। आईएलओ का डाटा हमें बताता है कि 1990 से 2006 के बीच कामकाजी वर्ग की लगभग 32 प्रतिशत महिलाएं श्रमशक्ति में भागीदार थीं- मायने, या तो उनके पास सवैतनिक काम था या फिर तलाश रही थीं। 2019 तक यह अनुपात गिरकर महज 22 फीसदी रह गया। सीआईएमई डाटा और भी कम संख्या बताता है, इसके मुताबिक फरवरी, 2020 में, कोविड लॉकडाउन से पहले, कामकाजी महिला आयु वर्ग का सिर्फ 12 प्रतिशत हिस्सा या तो रोजगार सहित था या ढूंढ़ रहा था और अक्तूबर माह में यह आंकड़ा और गिरावट के बाद 10 फीसदी रह गया। चीन से तुलना करें तो वहां कामकाजी आयु वर्ग की 69 प्रतिशत औरतें श्रमशक्ति का हिस्सा हैं। अर्थशास्त्र के तथाकथित 'माहिर' भारतीय श्रमशक्ति में महिलाओं की इतनी कम भागीदारी की व्याख्या करते वक्त इसको हमारी बढ़ती अमीरी से जोड़ रहे हैं। इनका कहना है कि रिवायती तौर पर भारतीयों को अपनी महिलाओं का घर से बाहर जाकर काम करना पसंद नहीं, लेकिन जब पैसा जरूरत बन जाए तो कोई और विकल्प भी नहीं। इसलिए, जैसे-जैसे भारतीय लोग गरीबी से उठने लगे, महिलाओं ने घर से बाहर निकलकर काम करना बंद कर दिया और गृहिणी बनने को तरजीह देने लगीं। हमें यह भी बताया जा रहा है कि बढ़ती समृद्धि से गरीबों में 'संस्कृति के प्रति चेतना' बढ़ने लगती है, जैसे-जैसे वे आय का उच्चतर स्तर पाने लगते हैं, वैसे-वैसे उनकी औरतें अधिक रूढ़िवादी होने लगती हैं। लेकिन पेश किए जा रहे इस गुलाबी मंजर में दो झोल हैं। पहला, ऐसा कोई प्रमाण नहीं है, जो सिद्ध करता हो कि आय के एकदम निचली श्रेणी के परिवारों की आमदनी वर्ष 2005-06 के बाद बढ़ी हो (तब तक श्रमशक्ति में भारतीय महिलाओं की संख्या काफी अधिक थी)। बल्कि जो भी सुबूत हैं, वह बताते हैं कि हालत उलटे बदतर होती गई। दूसरा, यदि बहुत कम महिलाएं नौकरीपेशा होना चाहती हैं, तब तो फिर बाकियों के लिए रोजगार पाना बहुत आसान हो जाता।

लेकिन हकीकत एकदम उलट है- सीएमआईई के अक्तूबर माह के नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि महिला बेरोजगारी दर बहुत अधिक यानी 30 फीसदी है, जो कि मर्दों की 8.6 प्रतिशत दर से लगभग 3 गुणा से भी ज्यादा है। इसका मतलब कि कामकाजी आयु वर्ग में प्रत्येक 100 महिलाओं में केवल 10 रोजगार की तलाश करती हैं और उनमें केवल 7 को ही सवैतनिक नौकरी मिल पाती है। वास्तव में, महिलाएं इसलिए नौकरी नहीं ढूंढ़ती क्योंकि वे पाने की आस खो चुकी हैं। परंतु जब वे गृहिणी बन जाती हैं तो पारिवारिक आय गिर जाती है, लिहाजा घरेलू खर्च में कटौती करनी पड़ती है। यह स्थिति महिला रोजगार के लिए दोहरी मार है। निम्न मध्यवर्ग परिवार में यदि कोई औरत घर से बाहर जाकर नौकरी करती है तो हो सकता है घरेलू कामों में मदद के लिए अल्प-कालिक नौकर-सहायक रख ले। लेकिन जब वह खुद नौकरी में न हो तो सबसे पहली मार घरेलू नौकर के रोजगार पर पड़ेगी। अक्सर यह बेरोजगार हुई महिला है, जिससे आगे बेरोजगारी बढ़ती है। दूसरी ओर मर्दों का क्या हाल है? 2019 में, कोविड की आमद से पहले, आईएलओ के आंकड़े के अनुसार भारतीय पुरुष कामकाजी आयुवर्ग का 73 फीसदी श्रमशक्ति में भागीदार था, यह संख्या निम्न-मध्य आय वाले मुल्कों के 74 प्रतिशत वाले औसत से नाममात्र कम थी। सीएमआईई का पुरुष श्रमशक्ति डाटा बताता है कि 2019 के मध्य तक आंकड़ा 72-73 फीसदी के बीच रहा, जोकि अक्तूबर, 2022 में घटकर 66 प्रतिशत रह गया। कोविड काल से पहले, फरवरी 2020 से अक्तूबर, 2022 के बीच भारत में कामकाजी पुरुष जनसंख्या में 4.6 करोड़ का इजाफा हुआ था। लेकिन श्रमशक्ति में भागीदारी पहले जितने रही, लिहाजा अतिरिक्त 3.3 करोड़ मर्द नौकरी तलाश रहे थे। चूंकि नौकरियों की गिनती में केवल 13 लाख की वृद्धि रही, नतीजतन लगभग 3.2 करोड़ पुरुष बेरोजगार रहे। इसके लिए सबसे संभावित व्याख्या यह हो सकती है कि भारत में गरीबों के लिए जिस किस्म के रोजगार उपलब्ध हैं, वह करने की शारीरिक सामर्थ्य उनमें नहीं है। देश में कुल रोजगार का लगभग तीन-चौथाई भाग कृषि, निर्माण और व्यापार क्षेत्र से है। इन तीनों में ही वेतन बहुत कम है और दो में तो मेहनत कमरतोड़ करनी पड़ती है। यूरोप का अध्ययन बताता है कि यदि एक किसान आठ घंटे काम करे तो लगभग 4500 कैलोरी खर्च करता है जबकि इसी अवधि में निर्माण कार्य में लगे मजदूर को 4000 कैलोरी की जरूरत है। भारत में निर्माण कार्य अधिक श्रमसाध्य है और इसके लिए कहीं ज्यादा खुराक-ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। यह मात्रा ग्रामीण अंचल के भारतीयों के लिए खाद्य विशेषज्ञों द्वारा अनुशंसित 2400 कैलोरी से कहीं अधिक है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) का अनुमान है कि 16 प्रतिशत भारतीय कुपोषण का शिकार हैं, अर्थात् श्रमशक्ति में लगे गरीबों की बड़ी संख्या को सख्त मेहनत के अनुपात में जितनी कैलोरी की अनुशंसा विशेषज्ञ करते हैं, उसका आधा भी नहीं मिलता। वे किसी तरह मुफ्त के राशन या अन्य सरकारी अथवा गांववालों की मदद पर जी रहे हैं। यह एक दुष्चक्र है :सरकारी राशन से केवल सामान्य काम करने लायक कैलोरी मिलती है, लेकिन गरीबों के नसीब में ऐसी नौकरियां हैं कहां? पौष्टिकता जरूरतों को पूरा करने वाली खुराक उनकी वास्तविक जरूरत के मुताबिक नाकाफी होती है। इसलिए उनके पास स्थाई तौर पर उस सहायता पर निर्भर होने के सिवा कोई चारा नहीं है जिसे मीडिया 'मुफ्तखोरी' बताता है। यह स्थिति उस राह से एकदम विपरीत है, जिसका सपना भारत ने आजादी पाते वक्त देखा था। बजाय इसके कि कारखानों में श्रमिकों का काम हाड़तोड़ शारीरिक मेहनत की बजाय यांत्रिकी-आधारित तंत्र से सरल बनता, आज भी ज्यादातर कामों में सख्त शारीरिक श्रम करना पड़ता है। इससे निकलने का एकमात्र रास्ता यह है कि यदि सरकार अर्थव्यवस्था को उच्चतर रोजगार प्रदाता, बेहतर कार्यस्थल परिस्थिति और रोजगारोन्मुख तंत्र बनाना चाहती है तो फौरी मुनाफा बनाने की प्रवृत्ति त्यागनी होगी। यह किए बगैर अधिकांश लोगों के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था 'किसी प्रकार जी रहे हैं' वाली बनी रहेगी।

लेखक आर्थिक मामलों के विश्लेषक हैं।

संकट में जिम्मेदारी समझें विकसित देश

ज्ञानेन्द्र रावत

मिस्र के शर्म अल-शेख में चला संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन, कॉप-27 कार्बन उत्सर्जन बढ़ने की रफ्तार को समूची दुनिया के लिए बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इस घोषणा के साथ समाप्त हो गया कि अब जीवाश्म ईंधन से वैश्वीकरण कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन पूर्व की तुलना में एक फीसदी बढ़ने का अनुमान है जो 37.5 अरब टन के एक नये रेकार्ड को तोड़ रहा है। यह खतरे की घंटी है। सबसे बड़ी बात इस बढ़ोतरी को रोकना ही एकमात्र विकल्प है। वर्ष 2015 के पेरिस जलवायु परिवर्तन सम्मेलन ने पृथ्वी के लिए सबसे गंभीर विनाशकारी परिणामों या यूं कहें कि भयावह खतरे से बचने की खातिर उत्सर्जन की एक सीमा का निर्धारण किया था। बीते दशक में कार्बन उत्सर्जन कम करने के ईमानदार प्रयास नहीं हुए। इस बाबत बरती गयी कोताही का दुष्परिणाम हमारे सामने भयावह खतरे के रूप में मौजूद है। कोरोना काल के उपरांत आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों के बीच पर्यावरण सुधार के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और ठोस निर्णय की अपेक्षा थी, लेकिन लाख कोशिशों के बावजूद कुछ बिन्दुओं पर सहमति के अभाव के चलते कामयाबी बेमानी प्रतीत होती है। निःसंदेह यदि कार्बन उत्सर्जन वृद्धि की यही रफ्तार रही तो आने वाले नौ वर्षों में औद्योगिक पूर्व तापमान से 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापमान पहुंच जायेगा, जो समूची मानवता के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। इसका मूल कारण कोयले की खपत में बेतहाशा बढ़ोतरी है। यही नहीं, यह बढ़ोतरी तेल की खपत में भी हुई है। भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है, जहां 2021 की तुलना में कोयले और तेल की खपत में अनुमानतः 6 फीसदी की वृद्धि हुई है। जबकि सबसे बड़े कार्बन उत्सर्जक देश चीन में बीते एक साल में कार्बन उत्सर्जन की दर एक फीसदी घटी है। वहां कोयले की खपत में भी बढ़ोतरी नहीं हुई है। समूची दुनिया अभी भी 80 फीसदी ऊर्जा के लिए जीवाश्म ईंधन पर ही निर्भर है। ऐसी दशा में उत्सर्जन तो बढ़ेगा ही। उस दशा में जबकि अक्षय ऊर्जा और स्वच्छ ऊर्जा अभी भी शुरुआती चरण में ही है, जिन देशों की आबादी कम है वहां तो अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा सकता है। लेकिन जिन देशों की आबादी बहुत ज्यादा है, वहां अक्षय ऊर्जा का सपना अभी बहुत दूर की कौड़ी है। भारत में सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा के मामले में हम बहुत पीछे हैं। यूरोप ने अक्षय ऊर्जा के महत्व को समय रहते समझ लिया। साल 2000 के दशक के शुरुआती दौर में यूरोप में कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि की दर तीन फीसदी सालाना थी, लेकिन इस साल की एक फीसदी की अनुमानित बढ़ोतरी अपेक्षाकृत कम ही है। यह बढ़ोतरी उस दौरान हुई जबकि यूक्रेन युद्ध से उपजे ऊर्जा संकट से समूची दुनिया जूझ रही है। यही नहीं, कोविड-19 जैसी भीषण महामारी के उस भयावह दौर से उबरने का दुनिया भरसक प्रयास कर रही है। यूएन महासचिव गुटेरेस का यह भरसक प्रयास रहा कि कॉप-27 जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में मौजूदा समस्याओं के स्तर के अनुरूप यथा यूक्रेन युद्ध के कारण उपजे ऊर्जा संकट और जलवायु समाधानों पर एकमुश्त सहमति बने ताकि इस संकट के समाधान की दिशा में कारगर प्रयास किये जा सकें। गौरतलब है कि कॉप-27 की बैठक में 193 देशों ने राष्ट्रीय कार्यवाही योजनाओं को अधिक महत्वपूर्ण बनाने, शून्य उत्सर्जन, वन संरक्षण और जलवायु वित्त पोषण सहित अनेक संकल्प लिए थे, लेकिन दुख की बात यह है कि अभी तक केवल 23 देशों ने ही यूएन को अपनी योजनाएं भेजी हैं। ऐसी स्थिति में धरातल पर पूर्ण, समावेशी, सामयिक व विस्तृत कार्यवाही की उम्मीद ही बेमानी है। साथ ही अनुकूलन वित्त पोषण के लिए विकसित देशों द्वारा निम्न आय वाले देशों के लिए हर वर्ष 100 अरब डॉलर की राशि मुहैया कराने का सवाल भी अनसुलझा रहा है। सबसे अहम सवाल तो यह है कि बड़े मुख्य उत्सर्जक देश खड़े हों और कहें कि हमें कुछ करना होगा, हमें इन निर्बल देशों के लिये अपना योगदान देना होगा, तभी कुछ बात बनेगी अन्यथा ऐसी कवायद तो बरसों से देख रहे हैं। ब्राजील, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के इस आरोप में सत्यता है कि इन हालात में नतीजा कुछ नहीं मिलेगा और कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य का सपना सपना ही रहेगा। निःसंदेह, जलवायु से जुड़े मुद्दों पर कुछ भौतिक दृष्टिकोण को लेकर विचारों में भिन्नता के चलते प्रमुख मुद्दों पर प्रगति की जो आशा-आकांक्षा थी, वह धूमिल हुई है। लेकिन 150 से अधिक देश मीथेन उत्सर्जन को कम करने के सवाल पर सहमत हुए हैं, यह एक अच्छा लक्षण है। असलियत में इस सम्मेलन का असली जोर कोयले से बिजली उत्पादन बंद करने के उपाय पर ही ज्यादा रहा है। निष्कर्ष यह कि यह सम्मेलन 2021 के ग्लासगो सम्मेलन के प्रस्ताव पर ही मुहर लगाने के अलावा कुछ अलग कर पाने में नाकाम रहा है। हां, इतना जरूर हुआ कि जलवायु प्रभावों से होने वाले नुकसान की भरपाई के मुद्दे पर सदस्य देश एकमत दिखे। साथ ही क्षतिपूर्ति के लिए एक नये कोष हेतु नयी वित्तीय व्यवस्था बनाने के लिए 3 अफ्रीकी, 10 विकसित व 13 विकासशील देशों की एक नयी कमेटी बनाने पर सहमति बनी जो जलवायु कोष के संचालन व नियम-कानून का निर्माण करेगी। इससे आपदा प्रभावित लोगों की मदद का रास्ता खुला। वह बात दीगर है कि आर्थिक सहायता और बढ़ रहे वायुमंडल के तापमान की जिम्मेदारी का सवाल आखिर तक अनसुलझा ही रहा जबकि बढ़ाये गये आखिरी दिन तक सदस्य देश एक संतुलित और महत्वाकांक्षी मसौदे के पक्ष में बने रहे। और जब भारत की बात आती है तो हमारे पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव की मानें तो जलवायु परिवर्तन को लेकर कार्यवाही किसी भी क्षेत्र, ईंधन या गैस स्रोत तक सीमित नहीं की जा सकती। जरूरत यह है कि दुनिया के सभी देश पेरिस समझौते की मूल भावना के तहत अपनी-अपनी स्थानीय राष्ट्रीय परिस्थिति के अनुरूप कार्य करें।

(चिंतन-मनन)

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की क्रूरताओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अभ्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है। हमारे पूज्य भिक्षु स्वामी ने संगठन का मूल्य दो शताब्दी पूर्व ही समझ लिया था। उनके अनुयायियों को क्या उसे अब भी समझना है। वात्सलता और सहानुभूति को विकसित किए बिना संगठन सुदृढ़ नहीं हो सकता। आज सबकुछ शक्ति-संचय के आधार पर हो रहा है। इसलिए संगठन अब अनिवार्य हो गया है। छोटे-छोटे प्रश्न इस महान कार्य में अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- शातौर परिवर्तन का यथार्थ-बोध। कुछ स्थितियां देशकालातीत होती है। उन्हें बदलने की जरूरत नहीं है, किंतु देशकाल सापेक्ष स्थितियों का देशकाल के बदलने के साथ न बदलना असफलता का मुख्य हेतु है। परिवर्तन के विषय में युवकों का दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट होना चाहिए। बदलना अपने आप में कोई उद्देश्य नहीं है और नहीं बदलना कोई सार्थकता नहीं है। बदलने की स्थिति होने पर बदलना विकास की अनिवार्य प्रक्रिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रेलवे ने बीते 16 महीने में हर तीन दिन में एक 'निकम्मे या भ्रष्ट' अधिकारी को किया बर्खास्त

नई दिल्ली: रेलवे ने बीते 16 महीने में हर तीन दिन में एक 'निकम्मे या भ्रष्ट अधिकारी' को बर्खास्त किया है। इसके अलावा 139 अधिकारियों पर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए दबाव डाला जा रहा है जबकि 38 को हटा दिया गया है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को वरिष्ठ स्तर के दो अधिकारियों को हटाया गया। उन्होंने कहा कि इनमें से एक को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हैदराबाद में पांच लाख रुपये की रिश्वत के साथ जबकि दूसरे को रांची में 3 लाख रुपये के साथ पकड़ा था। एक अधिकारी ने कहा, '(रेलवे) मंत्री (अश्विनी वैष्णव) 'काम करो नहीं तो हटो' के अपने संदेश के बारे में बहुत स्पष्ट हैं। हमने जुलाई 2021 से हर तीन दिन में रेलवे के एक भ्रष्ट अधिकारी को बाहर किया है।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2023 में घटकर 5.9 प्रतिशत रहेगी: गोल्डमैन सैक्स

मुंबई, अमेरिका की ब्रोकरेज कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर के 2023 में 5.9 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया है। यह पूर्व में लगाए गए 6.9 प्रतिशत की वृद्धि दर के अनुमान से एक प्रतिशत कम है। गोल्डमैन सैक्स ने यह भी कहा कि दिसंबर 2023 तक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 20,500 अंक के स्तर तक पहुंच सकता है। इससे निवेशकों को 12 प्रतिशत तक का रिटर्न मिल सकता है। ब्रोकरेज कंपनी ने हालांकि बीएसई सेंसेक्स कोई लक्ष्य नहीं दिया है। वहीं, 2023 के लिए कंपनी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के 5.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। जबकि वर्ष 2022 के लिए यह अनुमान 6.9 प्रतिशत का है। ब्रोकरेज के अनुसार, आर्थिक वृद्धि दो हिस्सों में बंट सकती है। वर्ष 2023 में पहली छमाही में आर्थिक वृद्धि धीमी रह सकती है। वहीं, दूसरी छमाही में निवेश बढ़ने, वैश्विक बाजारों में सुधार से आर्थिक वृद्धि में फिर से तेजी आने की संभावना है। ब्रोकरेज ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) दिसंबर की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो दर में 0.50 अंक और फरवरी, 2023 की बैठक में 0.35 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है। इससे अगले साल फरवरी तक रेपो दर 6.75 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी।

जीएसटीएन वित्तीय सूचना प्रदाताओं की सूची में शामिल

मुंबई, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि वित्तीय आंकड़ा साझेदारी व्यवस्था 'अकाउंट एग्रीगेटर' रूपरेखा के तहत माल एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) को वित्तीय सूचना प्रदाताओं की सूची में शामिल किया गया है। अकाउंट एग्रीगेटर (एए) आरबीआई विनियमित इकाई है। यह किसी व्यक्ति को उस वित्तीय संस्थान से सुरक्षित और डिजिटल रूप से सूचना तक पहुंचने में मदद करता है, जहां उसका खाता है। साथ ही उसे 'अकाउंट एग्रीगेटर नेटवर्क' के अंतर्गत आने वाले अन्य विनियमित वित्तीय संस्थानाओं के साझा करने में सहायता करता है। आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा, ''राजस्व विभाग इस मामले में जीएसटीएन का नियामक होगा और जीएसटी रिटर्न यानी फॉर्म जीएसटीआर-1 और फॉर्म जीएसटीआर-3बी वित्तीय सूचनाएं होंगी। वित्तीय सूचना प्रदाताओं की सूची में बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां, संपत्ति प्रबंधन कंपनियां, डिपॉजिटरी, प्रतिभागी, बीमा कंपनिश्यां और पेंशन कोष शामिल हैं। जीएसटीएन, माल एवं सेवा का प्रौद्योगिकी आधार है। इस पर 1.40 करोड़ पंजीकृत करदाता हैं।

शोधकर्ताओं ने जैव-आधारित सामग्रियों से बने 3डी-प्रिंटिंड हाउस का किया अनावरण

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

अमेरिका स्थित विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने बायो होम 3डी का अनावरण किया है, जो पूरी तरह से जैव-आधारित सामग्रियों से बना पहला 3डी-प्रिंटिंड हाउस है।एक आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, यूनिवर्सिटी ऑफ मेन के एडवांस्ड स्ट्रक्चर्स एंड कंपोजिट सेंटर (एएससीसी) ने पहला 3डी-प्रिंटिंड हाउस बनाया है। 600 वर्ग फुट के प्रोटोटाइप में 3डी-प्रिंटिंड फ्लोर, दीवारें और लकड़ी के फाइबर से बनी छत है। एक अमेरिकी रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर 7 मिलियन से अधिक किफायती आवास इकाइयों की आवश्यकता है। मेन के गवर्नर जेनेट मिल्स ने कहा, हमारा राज्य एक आवास संकट और श्रम की कमी का सामना कर रहा है, लेकिन मेन विश्वविद्यालय एक बार फिर से यह दिखाने के लिए आगे बढ़ रहा है कि हम ट्रेडमार्क मेन सरलता के साथ इन गंभीर चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं। प्रौद्योगिकी का उद्देश्य श्रम की कमी और आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों को संबोधित करना है, जो रिपोर्ट के अनुसार उच्च लागत और किफायती आवास की उपलब्धता को सीमित कर रहे थे। स्वचालित निर्माण और ऑफ-साइट उत्पादन के उपयोग के कारण, घर के निर्माण और फिटिंग के लिए साइट पर कम समय की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट में कहा गया है, भविष्य में कम आय वाले घरों को यूमेन में विकसित उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाओं और सामग्रियों का उपयोग करके घर के मालिक की जगह, ऊर्जा दक्षता और सौंदर्य संबंधी प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है।

प्रोटोटाइप को दुनिया के सबसे बड़े पॉलीमर 3डी प्रिंटर के साथ बनाया गया था, जिसका इस्तेमाल 2019 में दुनिया की सबसे बड़ी 3डी-प्रिंटेड बोट बनाने के लिए भी किया गया था।

आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिये वित्तीय नियामकों की सोच में बदलाव जरूरी- अमिताभ कांत

मुंबई, भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने बुधवार को कहा कि वित्तीय नियामकों को 'समाजवादी युग' में तैयार किया गया था और आर्थिक वृद्धि में सहायता के लिए इन नियामकों की सोच में बदलाव की जरूरत है। कांत एक पेशेवर नौकरशाह है। वह कुछ समय पहले तक नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) थे। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि कुछ नेता मुफ्त बिजली जैसी सुविधाएं देकर देश को 'बर्बाद' कर रहे हैं। कांत ने एसबीआई के वार्षिक सम्मेलन में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) या यहां तक कि भारत के प्रतिस्पर्धी आयोग जैसे वित्तीय क्षेत्र के नियामकों को 'विकास और परिवर्तन एजेंटों' के रूप में कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''नियामकों को भी एक विशेष अवधि में तैयार किया गया था। तब हम एक समाजवादी युग से गुजर रहे थे और इसलिए मेरा मानना है कि कई नियामकों की सोच में बदलाव की काफी आवश्यकता है।''

बढ़ते डिजिटलीकरण, प्रौद्योगिकी के उपयोग से तीसरे पक्ष से सत्यापन भविष्य: सेबी प्रमुख

मुंबई, (एजेंसी)

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने बुधवार को कहा कि प्रौद्योगिकी के कारण जिस स्तर पर डिजिटलीकरण हो रहा है, उसमें 'तृतीय पक्ष सत्यापन' ही भविष्य है। उन्होंने ऑडिट और अकाउंट विभाग के 'ऑडिट' सप्ताह में कहा कि सरकार के हर विभाग, आंकड़ों की पहुंच समेत हर जगह डिजिटलीकरण तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में तीसरे पक्ष से सत्यापन भविष्य है क्योंकि यह प्रौद्योगिकी के माध्यम से होगा। सेबी प्रमुख ने कहा कि हमारा जोर किसी तीसरे पक्ष से सत्यापन पर है। यह बाजार में प्रस्तुत चीजों की वास्तविक तथा निष्पक्ष तस्वीर को सामने लाने की प्रतिबद्धता से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसी 20 वेबसाइट हैं जिसके जरिये ऑडिटर तीसरे पक्ष से सत्यापन के माध्यम से उन इकाइयों के दावों का सत्यापन कर सकते हैं, जिनका ऑडिट किया जा रहा है। माधबी पुरी बुच ने कहा, ''धोखाधड़ी करने वाले भी प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहे हैं, हम उसका उपयोग गड़बड़ी से बचाव के लिये कर सकते हैं। ऑडिटर तीसरे पक्ष से सत्यापन के लिये जीएसटीएन पोर्टल, बैंक वेबसाइट और अन्य का उपयोग कर सकते हैं।''

गेहूं की कीमतों में असामान्य तेजी आने पर सरकार कदम उठाएगी : खाद्य सचिव

नयी दिल्ली, (एजेंसी)

सरकार ने बुधवार को कहा कि गेहूं की कीमतों पर उसकी नजर है और यदि खुदरा बाजार में इसके दाम में असामान्य उछाल देखने को मिलता है, तो उसपर अंकुश के लिए कदम उठाए जाएंगे। निर्यात प्रतिबंध के बावजूद गेहूं की कीमतों में बढ़ोतरी पर चिंता के बीच केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि गेहूं और चावल के स्टॉक की स्थिति सहज है और सरकार की बफर आवश्यकताओं से काफी ऊपर है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''चावल की कीमतें स्थिर हैं। मई में गेहूं पर प्रतिबंध लगाने के बाद खुदरा में गेहूं की कीमतों में सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और अगर हम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को ध्यान में रखते हैं, तो मूल्य वृद्धि 4-5 प्रतिशत है।'' मई में, सरकार ने घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। घरेलू उत्पादन में गिरावट और निजी पक्षों द्वारा आक्रामक खरीद के कारण विपणन वर्ष 2022-23 में सरकार की गेहूं खरीद 434.44 लाख टन से गिरकर 187.92 लाख टन रह गई। यह पूछे जाने पर कि क्या मंत्रालय गेहूं की कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए स्टॉक भंडारण सीमा और खुले बाजार में बिक्री योजना जैसे किसी और कदम पर विचार कर रहा है, चोपड़ा ने कहा, %अभी जो स्थिति है, उसके अलावा किसी अन्य उपाय की जरूरत नहीं है। कीमतों में यदि असामान्य वृद्धि हुई, तो जाहिर है, हम कदम उठाएंगे।'' सितंबर में, कुछ पूर्वी राज्यों में बेमौसम बारिश और कम मानसून के मद्देनजर चावल के उत्पादन में अनुमानित गिरावट के कारण सरकार ने टूटे चावल के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा दिया था। सचिव ने बताया कि एक अंतर-मंत्रालयी समिति साप्ताहिक आधार पर आवश्यक वस्तुओं की कीमतों की निगरानी कर रही है।खाद्य तेल पर चोपड़ा ने कहा कि खाद्य तेलों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट का रुख है और इसलिए घरेलू खुदरा दरों में और कमी आने की संभावना है। यह पूछे जाने पर कि क्या मुफ्त राशन योजना पीएमजीकेएवाई को दिसंबर से आगे बढ़ाया जाएगा, सचिव ने कहा कि सरकार उचित समय पर निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि यदि योजना को बढ़ाया जाता है, तो मांग को पूरा करने के लिए सरकार के पास पर्याप्त स्टॉक है।

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के प्रबंध निदेशक, अशोक के के मीणा ने कहा कि सरकार नियमित रूप से आवश्यक वस्तुओं के मूल्य परिदृश्य की निगरानी कर रही है और आवश्यकतानुसार प्रभावी उपाय कर रही है। उन्होंने कहा, ''पिछले महीने की तुलना में गेहूं के खुदरा और थोक मूल्य और चावल के थोक मूल्य में मामूली वृद्धि हुई है। चावल के खुदरा मूल्य में नगण्य वृद्धि हुई है और कीमतें नियंत्रण में हैं।'' एफसीआई ने विपणन वर्ष 2022-23 (अक्टूबर-सितंबर) में 21 नवंबर तक 277.37 लाख टन धान (185.93 लाख टन चावल) की खरीद की है, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह खरीद 263.42 लाख टन धान की हुई थी। खरीफ धान की फसल के लिए खरीद का लक्ष्य 775.73 लाख टन रखा गया है। उन्होंने कहा कि फरवरी-मार्च 2023 में रबी धान खरीदी का अनुमान लगाया जाएगा। मीणा ने कहा कि 15 नवंबर तक केंद्रीय पूल में एफसीआई के पास 201 लाख टन गेहूं और 140 लाख टन चावल है। एक अप्रैल, 2023 को गेहूं की अनुमानित स्टॉक स्थिति 75 लाख टन के बफर मानदंड के मुकाबले 113 लाख टन है।

दक्षिण कोरियाई वित्तीय नियामक लॉन्च के लिए एप्पल पे सेवा की कर रहा समीक्षा

सोल। (एजेंसी)

दक्षिण कोरिया का वित्तीय नियामक वर्तमान में देश में लॉन्च करने के लिए एप्पल पे सेवा के नियमों और शर्तों की समीक्षा कर रहा है। उम्मीद की जा रही है कि हुंडई कार्ड जल्द से जल्द इस साल के भीतर एप्पल पे पायलट सेवा शुरू कर देगा।योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी सबसे बड़ी वैश्विक भुगतान कंपनी, एप्पल पे के आगमन के साथ, संबंधित उद्योग में रुचि बढ़ रही है कि क्या क्रेडिट कार्ड कंपनियों और वित्तीय प्लेटफॉर्मों के साथ-साथ घरेलू सरल भुगतान बाजार के बीच संरचना में कोई बदलाव होगा। वित्तीय अधिकारियों के अनुसार, ह्युंडई कार्ड ने हाल ही में एप्पल पे की शुरुआत के लिए नियम और शर्तों की समीक्षा के लिए आवेदन किया था। वित्तीय पर्यवेक्षी सेवा वर्तमान में कई संबंधित विभागों में सेवा के लिए नियमों और शर्तों की समीक्षा कर रही है। वित्तीय पर्यवेक्षी सेवा के एक अधिकारी ने समझाया, हम विभिन्न विभागों के परामर्श से हुंडई कार्ड द्वारा अनुरोधित एप्पल पे सेवा के कंटेंट की समीक्षा कर रहे हैं। हम जल्द ही उनका जवाब देने में सक्षम होंगे। पिछले साल के अंत तक, एप्पल पे, एप्पल की उपयोग में आसान भुगतान सेवा, अलीपे और मास्टरकार्ड को पार करते हुए ग्लोबल पैमेंट वॉल्यूम में दूसरे स्थान पर रही। अधिकांश घरेलू ऑफलाइन सरल भुगतान सेवाएं एमएसटी (मैग्नेटिक सिक्योर ट्रांसमिशन) हैं, जो चुंबकीय उपकरणों के माध्यम से सूचना प्रसारित करती हैं। सैमसंग पे एमएसटी और एनएफसी दोनों का समर्थन करता है, लेकिन एप्पल पे केवल एनएफसी का उपयोग करता है। बेशक, जैसा कि आईफोन एक बेजोड़ उन्माद बनाता है, ऐसी संभावना है कि भविष्य में एप्पल पे के प्रभाव के आधार पर एनएफसी- आधारित टर्मिनलों की आपूर्ति में वृद्धि होगी। हालाँकि, यह ज्ञात है कि एप्पल क्रेडिट कार्ड कंपनियों से उपभोक्ता की उपयोग राशि के 0.1 प्रतिशत से अधिक के बराबर भुगतान शुल्क की मांग कर रहा है और प्रचलित संभावना यह है कि एप्पल पे को फैलाना मुश्किल होगा। एक उद्योग के अंदरूनी सूत्र ने कहा, हालांकि विवरण अभी तक स्पष्ट रूप से सामने नहीं आया है, यह सच है कि एप्पल द्वारा अनुरोधित फीस का बोझ अपेक्षाकृत बड़ा है। नतीजतन, क्रेडिट कार्ड कंपनियां भी भविष्यवाणी कर रही हैं कि उद्योग पर एप्पल पे का प्रभाव फिलहाल सीमित रहेगा।

घरेलू क्रेडिट कार्ड कंपनियों के मामले में, शीर्ष पांच कंपनियों का कुल बाजार में लगभग 84 प्रतिशत हिस्सा है। हुंडई कार्ड, जो एप्पल पे पेश करेगा, उसकी बाजार हिस्सेदारी लगभग 15 प्रतिशत है।

कर्ज वृद्धि को बनाये रखने में बैंक व्यवस्था बेहतर स्थिति में: एसबीआई प्रमुख

मुंबई,

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने बुधवार को कहा कि देश की बैंक व्यवस्था पिछले समय के मुकाबले अभी काफी बेहतर स्थिति में है और यह वर्तमान में कर्ज में उच्च वृद्धि को बनाये रखने में सक्षम होगी। एसबीआई के आर्थिक सम्मेलन में खारा ने कहा कि पिछली बार जब कर्ज में ऊंची वृद्धि हुई थी, उसमें से बड़ी संख्या में फंसे कर्ज में तब्दील हुए। बैंकों ने उन चीजों को आत्मसात किया है। उन्होंने कहा कि कर्ज देने को लेकर जांच-पड़ताल और जोखिम निर्धारण के नजरिये से बैंक काफी बेहतर स्थिति में हैं। खारा ने कहा कि निर्णय लेने की प्रक्रिया काफी वैज्ञानिक है और अब बैंकों के पास अपेक्षाकृत अधिक पूंजी है। उन्होंने कहा, ''बैंक अब बेहतर स्थिति में हैं और जो वृद्धि हम देख रहे हैं, वह टिकाऊ भी है।'' उल्लेखनीय है कि बैंक कई साल तक कर्ज में सालाना वृद्धि हासिल करने को लेकर जूझ रहे थे। वहीं चार नवंबर को समाप्त सप्ताह में बैंकों के कर्ज में वृद्धि 17 प्रतिशत रही। खारा ने कहा कि कंपनियों के कर्ज कम हुए हैं जबकि पिछली बार उनके ऊपर काफी ऋण थे। उन्होंने दिवाला संहिता, रेटिंग व्यवस्था और कर्ज ब्यूरो का जिक्र करते हुए कहा कि परिवेश भी बदला है, जिससे बैंकों को लाभ हो रहा है। एसबीआई चेयरमैन यह भी कहा कि देश के बैंक और गिफ्ट सिटी जैसी वैकल्पिक व्यवस्था को आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

न्यायालय ने सभी राज्यों के विद्युत नियामक आयोग को शुल्क दरें तय करने के नियम बनाने को कहा

नयी दिल्ली, (एजेंसी)

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को सभी राज्यों के बिजली नियामक आयोग को कानून के तहत तीन महीने के भीतर विधान बनाकर बिजली दरें तय करने के नियम और शर्तें तय करने को कहा। न्यायालय ने यह निर्देश एक फैसले में दिया जिसमें उसने टाटा पावर कंपनी लिमिटेड ट्रांसमिशन (टीपीसी-टी) की अपील खारिज कर दी। कंपनी ने बिजली अपीलीय न्यायाधिकरण (एपीटीईएल) के निर्णय के खिलाफ याचिका दायर की थी। न्यायाधिकरण ने अपने फैसले में अडाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई इन्फ्रा लि. (एईएमआईएल) को बिजली पारेषण का लाइसेंस दिये जाने के निर्णय को बरकरार था। शीर्ष अदालत ने कहा, ''हम सभी राज्यों के विद्युत विनियामक आयोग को बिजली कानून की धारा 181 के तहत फैसले की तारीख से तीन महीने के भीतर शुल्क दर निर्धारित करने के नियम एवं शर्त को लेकर विधान बनाने का निर्देश देते हैं।'' न्यायालय ने कहा कि बिजली दरों के निर्धारण पर दिशानिर्देश तैयार करने में आयोग धारा 61 की बातों को ध्यान में रखेगा, जिसमें एनईपी (राष्ट्रीय बिजली नीति) और एनटीपीसी (राष्ट्रीय शुल्क नीति 2006) भी शामिल है। अडाणी समूह की कंपनी को राहत देते हुए मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश ए एस बोपन्ना तथा न्यायाधीश जेबी पारदीवाला ने कहा, ''एमईआरसी (महाराष्ट्र राज्य विद्युत विनियामक आयोग) ने निर्धारित सीमा को अधिसूचित नहीं किया है।

ऐसे में एमईआरसी के लिये यह खुला हुआ है कि वह एचवीडीसी (हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट) परियोजना विनियमित शुल्क व्यवस्था (आरटीएम) या फिर शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) मार्ग के जरिये आवंटित करे।'' विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण ने 18 फरवरी, 2022 को टाटा की कंपनी टीपीसी-टी की याचिका खारिज कर दी थी। याचिका महाराष्ट्र विद्युत विनियामक आयोग द्वारा 21 मार्च, 2021 को बिजली पारेषण का लाइसेंस अडाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई इन्फ्रा को दिये जाने के खिलाफ दायर की गयी थी। टाटा की कंपनी का कहना था कि एमईआरसी का अडाणी समूह की कंपनी को लाइसेंस देने का निर्णय शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के अनुकूल नहीं था जो जनहित और वैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है।

डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म बिज2एक्स की भारत में 250 लोगों को नियुक्त करने की योजना

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत में बिज2क्रेडिट की सहायक कंपनी बिज2एक्स ने गुरुवार को अगले साल तक 250 लोगों को नियुक्त करने की अपनी योजना की घोषणा की है।डिजिटल लेंडिंग सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (सास) प्लेटफॉर्म ने 2022 में अपने भारत कार्यालय में 30 अनुबंधित कर्मचारियों के अलावा 220 लोगों की भर्ती की। बिज2एक्स ने कहा कि वह डेटा साइंस, उत्पाद विकास और प्रबंधन, फंट-एंड और बैक-एंड ऑपरेशंस जैसे डोमेन में अनुभव और विशेषज्ञता के साथ मध्य प्रबंधन भूमिकाओं में कर्मियों को नियुक्त करेगा। मंच वित्तीय संस्थानों को अपने छोटे और मध्यम आकार के व्यावसायिक ग्राहकों के लिए एक अनुकूलित ऑनलाइन ऋण अनुभव प्रदान करने में सक्षम बनाता है। बिज2क्रेडिट की सीएचआरओ और एसवीपी, अनुपमा गर्ग ने कहा, स्टार्टअप ईकोसिस्टम में वर्तमान में हो रहे बड़े पैमाने पर छंटनी को ध्यान में रखते हुए हमारा ध्यान सही प्रतिभा को आकर्षित करने और बनाए रखने पर है।

बिज2एक्स ने आईआईटी रुड़की, आईआईआईटी सोनीपत, आईआईआईटी दिल्ली, बिट्स पिलानी, एनआईटी दिल्ली और कुरुक्षेत्र, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, एनएसयूटी, हंसराज, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और जामिया मिल्लिया इस्लामिया सहित कुछ शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों से हायर किया है या नियुक्त करने की योजना बना रहा है। बिज2क्रेडिट के पास दुनिया भर में 750 से अधिक कर्मचारी हैं, जो अगली पीढ़ी के बिजनेस लेंडिंग सॉल्यूशंस का निर्माण कर रहे हैं।

एप्पल को हर सेकंड हो रहा लगभग 1.5 लाख रुपये का मुनाफा, दूसरे नंबर पर रहा माइक्रोसॉफ्ट

नई दिल्ली। (एजेंसी)

क्या आप जानते हैं कि एप्पल हर सेकंड कितना मुनाफा कमाता है? यह हैरान कर देने वाला है। कंपनी का मुनाफा 1,820 डॉलर (1.48 लाख रुपये से अधिक) से अधिक है, जिससे आईफोन निर्माता दुनिया की सबसे अधिक लाभ कमाने वाली कंपनी बन गई है। एप्पल एक दिन में लगभग 157 मिलियन डॉलर (1,282 करोड़ रुपये से अधिक) कमा रहा है। अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी बिजनेस टिपल्टी के नए रिसर्च के अनुसार, फेलो टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट (NASDAQ:MSFT) और अल्फाबेट (NASDAQ:GOOGL) (गूगल की मूल कंपनी), साथ ही वॉरेन बफे के बर्कशायर हैथवे भी हर सेकंड में एक हजार डॉलर से अधिक की कमाई करते हैं, जो एक दिन में 100 मिलियन डॉलर से अधिक है। दूसरे स्थान पर 1,404 डॉलर (1.14 लाख रुपये) प्रति सेकंड के साथ माइक्रोसॉफ्ट और तीसरे स्थान पर 1,348 डॉलर (लगभग 1.10 लाख रुपये) प्रति सेकंड के साथ बर्कशायर हैथवे है। रिसर्च के अनुसार, यूएस में औसत कर्मचारी के अपने पूरे जीवन में 1.7 मिलियन डॉलर कमाने का अनुमान है। अमेरिका में औसत वार्षिक वेतन 74,738 डॉलर या 1,433.33 डॉलर प्रति सप्ताह है। जिसका अर्थ है कि एप्पल एक पूरे सप्ताह में औसत अमेरिकी कर्मचारी की तुलना में 387 डॉलर (27.01 प्रतिशत) प्रति सेकंड अधिक कमाता है। जबकि 1,277 डॉलर प्रति सेकंड के साथ अल्फाबेट चौथे स्थान पर है। मेटा प्लेटफॉर्म को प्रति सेकंड 924 डॉलर का मुनाफा होता है। उबर टेक्नोलॉजी को 2021 में 6.8 बिलियन डॉलर का भारी नुकसान हुआ, जो प्रति सेकंड 215 डॉलर के बराबर है। दुनिया का सबसे बड़ा राइड-हेलिंग ऐप होने के बावजूद, उबर ने कभी भी मुनाफा कमाया नहीं है। रिसर्च के अनुसार, जनरल इलेक्ट्रिक ने साल-दर-साल के मुनाफे में 10.68 बिलियन डॉलर की सबसे बड़ी वृद्धि देखी, जबकि मेटा प्लेटफॉर्म (पूर्व में फेसबुक (NASDAQ:META)) 10.66 बिलियन डॉलर के लाभ वृद्धि के साथ पीछे है।

दूरसंचार कंपनियों का एजीआर अप्रैल-जून में 18 प्रतिशत बढ़कर 60,530 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली, (एजेंसी)

दूरसंचार सेवाप्रदाताओं का समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) अप्रैल-जून, 2022 में सालाना आधार पर 17.91 प्रतिशत बढ़कर 60,530 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, राजस्व में हिस्सेदारी के मामले में जियो सबसे आगे रही। अप्रैल-जून, 2021 की तिमाही में दूरसंचार सेवाप्रदाताओं का एजीआर 51,335 करोड़ रुपये रहा था। सरकार दूरसंचार सेवाओं प्रदाताओं से उनके समायोजित सकल राजस्व के आधार राजस्व में अपना हिस्सा हासिल करती है। अखिल भारतीय स्तर पर सेवाएं देने वाली कंपनियों में जियो का एजीआर 20.58 प्रतिशत बढ़कर 21,515.88 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारती एयरटेल का एजीआर सालाना आधार पर 25.15 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 17,140.56 करोड़ रुपये रहा। वोडाफोन आइडिया का एजीआर 17.93 प्रतिशत बढ़कर 7,356.54 करोड़ रुपये और बीएसएनएल का 2.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,177.95 करोड़ रुपये रहा।

जिंबाब्वे दौरे में कप्तानी छीने जाने से आहत नहीं हुआ था, जो कुछ भी होता है वह हमारे भले के लिए होता है: धवन

दुबई (एजेंसी)। शिखर धवन को भगवान पर बहुत भरोसा है और यही वजह है कि जब जिंबाब्वे दौरे के दौरान उनकी जगह केएल राहुल को कप्तानी सौंपी गई तो वह आहत नहीं हुए थे। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में अमूमन वनडे टीम की अगुवाई करने वाले धवन को इस साल अगस्त में जिंबाब्वे दौरे में होने वाले तीन वनडे मैचों के लिए कप्तान नियुक्त किया गया था लेकिन केएल राहुल के फिट होने के बाद पूर्व राष्ट्रीय चयन समिति ने उनसे कप्तानी छीन ली थी। धवन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा,''मैं आहत नहीं हुआ था क्योंकि कुछ चीजें पहले से ही निर्धारित होती हैं और जो कुछ भी होता है वह हमारे भले के लिए होता है।''

उन्होंने कहा,'' और अगर आप जिंबाब्वे दौरे के बाद देखेंगे तो मुझे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के लिए फिर से कप्तान बनाया गया और उसी चयन समिति ने मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी। इसलिए जिंबाब्वे में जो कुछ हुआ उससे मुझे थोड़ा भी दुख नहीं हुआ था। भगवान जो कुछ करता है अच्छे के लिए करता है।'' धवन ने कहा,'' मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि करियर के इस पड़ाव में मुझे भारत की कप्तानी करने का मौका मिला है।'' उन्होंने जिंबाब्वे दौरे में राहुल को कप्तानी सौंपने के कारणों पर भी बात की। धवन ने कहा,'' जिंबाब्वे में राहुल को इसलिए कप्तान बनाया गया क्योंकि वह मुख्य टीम का उपकप्तान है। उसे उस श्रृंखला के बाद एशिया कप में खेलना था और यदि रोहित चोटिल हो जाता तो राहुल को कप्तानी करनी थी। इसलिए बेहतर यही था कि वह जिंबाब्वे में कप्तानी करे। इसलिए इस परिप्रेक्ष्य में यह सही फैसला था।''

धवन ने अभी तक 161 वनडे खेले हैं जिनमें उन्होंने 6672 रन बनाए हैं। वह पांच दिसंबर को 37 साल के हो जाएंगे और जानते हैं कि जहां तक उनका सवाल है तो गलती के लिए बहुत कम गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि केवल एक प्रारूप में खेलने से वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा,'' यह पूरी तरह से व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं इसे भगवान की कृपा मानता हूं कि मैं केवल एक प्रारूप में खेल रहा हूं। इससे मुझे अपने अन्य काम पूरे करने में मदद मिलती है। जब मैं तीनों प्रारूप में खेलता था उसकी तुलना में मैं अधिक तरोताजा और मजबूत रहता हूं।''

धवन जानते हैं एक बार रोहित और राहुल की वापसी के बाद शीर्ष क्रम में प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी तथा उनके अलावा शुभमन गिल भी सलामी बल्लेबाज के दावेदार होंगे। उन्होंने कहा,'' अब तीनों प्रारूप में कई खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और यह अच्छी बात है। एक प्रारूप में खेलने की अपनी चुनौतियां है लेकिन मैं खुद को तैयार रखता हूं।

डेविस कप : स्पेन को हराकर क्रोएशिया डेविस कप के सेमीफाइनल में

मलागा (एजेंसी)। अनुभवी खिलाड़ी मारिन सिलिच ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीन घंटे तक चले मुकाबले में स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्टा को पराजित करके क्रोएशिया को डेविस कप टेनिस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचाया। सिलिच ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में वापसी की लेकिन निर्णायक सेट के टाईब्रेकर में एक समय वह 1-4 से पीछे चल रहे थे। सिलिच ने यहीं पर अपने अनुभव का इस्तेमाल किया और 5-7, 6-3, 7-6 (5) से जीत दर्ज करके क्रोएशिया को स्पेन पर 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई। यह मैच तीन घंटे और 13 मिनट तक चला। इससे पहले बोर्ना कोरिच ने पहले एकल मैच में रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट को 6-4, 7-6 (4) से उलटफेर का शिकार बनाकर क्रोएशिया को बढ़त दिलाई थी। क्रोएशिया की डेविस कप में स्पेन पर यह पहली जीत है। सेमी फाइनल में उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा।

जडेजा बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर; -कुलदीप सेन, शाहबाज को टीम में

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा घुटने की चोट से उबरने में नाकाम रहने के कारण बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए बुधवार को चुनी गई टीम से बाहर हो गए। जडेजा के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल भी पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण इस श्रृंखला से बाहर हो गए। जडेजा ने अगस्त-सितंबर में एशिया कप के बाद घुटने की सर्जरी करवाई थी और फिर अनिश्चित काल के लिए टीम से बाहर हो गए है।

टीम में इन दोनों की जगह तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और ऑलराउंडर शाहबाज अहमद को शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, ''अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने दिसंबर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए यश दयाल और रविंद्र जडेजा की जगह तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और हरफनमौला शाहबाज अहमद को शामिल किया है।'' उन्होंने कहा, ''दयाल की पीठ के निचले हिस्से में समस्या है, जबकि जडेजा अभी घुटने की चोट से नहीं उबर सके है। वह बीसीसीआई मेडिकल टीम की निगरानी में रहेंगे।''

न्यूजीलैंड में 25 नवंबर से ऑकलैंड में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए कुलदीप और शाहबाज को शुरू में टीम में नामित किया गया था। अब वे बांग्लादेश जाने वाली टीम का हिस्सा होंगे। न्यूजीलैंड दौरे की एकदिवसीय टीम के लिए कोई विकल्प नहीं दिया गया है। बंगाल के अभिमन्यु ईश्वरन कॉक्स बाजार में 29 नवंबर से शुरू होने वाली दो चार दिवसीय मैचों की श्रृंखला में बांग्लादेश ए के खिलाफ भारत ए का नेतृत्व करेंगे।

हरभजन ने कहा कि टी20 टीम के कोच के लिए नेहरा द्रविड़ से ज्यादा उपयुक्त हैं

नयी दिल्ली(एजेंसी)। पूर्व गेंदबाज हरभजन सिंह का मानना है कि आशीष नेहरा जैसे किसी व्यक्ति को भारत की टी20 कोचिंग प्रणाली का हिस्सा होना चाहिए क्योंकि वह खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप को वर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ से बेहतर समझते हैं। नेहरा ने 2017 में खेल से संन्यास ले लिया था और इस साल की शुरुआत में गुजरात टाइटन्स को आईपीएल पदार्पण पर खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

हरभजन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' टी 20 प्रारूप में आपके पास आशीष नेहरा जैसा कोई व्यक्ति होना चाहिये जिसने हाल ही में खेल को अलविदा कहा है। वह इस प्रारूप को बेहतर समझते

हैं। मैं राहुल के साथ लंबे समय तक खेला हूं और उनके प्रति पूरा सम्मान है। मैं खेल को लेकर उनकी समझ पर सवाल नहीं उठा रहा हूं लेकिन यह प्रारूप थोड़ा अलग और मुश्किल है।'' हरभजन ने कहा, ''जिसने हाल में इस खेल को खेला है वह टी20 में कोचिंग के काम के लिए बेहतर है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आप राहुल को टी20 से हटा दें। आशीष और राहुल दोनों मिलकर 2024 विश्व कप के लिए टीम को बनाने के लिए काम कर सकते है।''

हरभजन अबू धाबी टी10 लीग में दिल्ली बुल्स टीम का हिस्सा है। इंग्लैंड की टी20 विश्व कप जीत ने विभिन्न प्रारूपों के लिए अलग-अलग कोच और खिलाड़ी चुनने की बहस तेज कर दी है। उन्होंने कहा, '' इस तरह की व्यवस्था से राहुल के लिए भी ब्रेक लेना आसान होगा और उनकी गैरमौजूदगी में नेहरा टीम के कोच की जिम्मेदारी संभाल सकते है।

ब्रील एम्बोलो की बदौलत स्विट्जरलैंड ने कैमरून को 1-0 से दी मात

अल वकराह(एजेंसी)। ब्रील एंबोलो के गोल से स्विट्जरलैंड ने गुरुवार को यहां फीफा विश्व कप के ग्रुप जी मैच में कैमरून को 1-0 से हरा दिया। एंबोलो ने भले ही स्विट्जरलैंड को महत्वपूर्ण जीत दिलाई हो लेकिन उन्होंने अपने इस वादे को निभाया कि अगर वह उस देश के खिलाफ गोल करेंगे जहां उनका जन्म हुआ तो वह इसका जश्न नहीं मनाएंगे। एंबोलो ने 48वें मिनट में गोलमुख के सामने मिले शेरडन शकीरी के पास को दाएं पैर से दनदनाता हुआ शॉट लगाकर गोल में पहुंचाया।

एंबोलो ने गोल करने के बाद अपने दोनों हाथ फैला दिए और जब टीम के उनके साथी जश्न मनाने के लिए उनकी तरफ दौड़े तो उन्होंने अपने दोनों हाथ मुंह पर रख लिए। उन्होंने अल जेनोब स्टेडियम में गोल के पीछे मौजूद स्विट्जरलैंड के प्रशंसकों और फिर विपरीत गोल के पीछे मौजूद कैमरून के

प्रशंसकों की ओर इशारा किया। पच्चीस साल के फारवर्ड एंबोलो ने पांच साल की उम्र में अपने परिवार के साथ कैमरून छोड़ दिया था। उनका परिवार पहले फ्रांस में रहा लेकिन बाद में स्विट्जरलैंड में बस गया। वह दूसरी बार विश्व कप में स्विट्जरलैंड का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अफ्रीका में जन्में खिलाड़ी ने भले ही गोल किया हो लेकिन अफ्रीका की टीमें चार मैच खेलने के बावजूद अब तक मौजूदा विश्व कप में कोई गोल नहीं कर पाई हैं। इन सभी टीम ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली टीम के खिलाफ मुकाबले खेले हैं। मोरक्को और ट्यूनीशिया ने तो क्रमश-क्रोएशिया और डेनमार्क को गोल रहित बराबरी पर रोका। इस हार के साथ विश्व कप फाइनल्स टूर्नामेंट में कैमरून की हार का सिलसिला आठ मैच तक पहुंच गया। यह क्रम 2002 से चला आ रहा है। दोनों टीमों ने मुकाबले की धीमी शुरुआत की। कैमरून ने 10वें मिनट में गोल करने का स्पष्ट मौका गंवा दिया। स्विट्जरलैंड के सेंट्रल डिफेंडर्स के ऊपर से सीधा पास कार्ल टोको एकांबी के पास पहुंचा लेकिन वह सिर्फ 10 मीटर की दूरी से शॉट को गोल के ऊपर से बाहर मार बैठे। दोनों टीमों ने पहले हाफ में अधिक मौके नहीं बनाए और रक्षात्मक खेल को तरजीह दी जिससे मध्यांतर तक स्कोर गोल रहित बराबरी पर रहा।

वनडे सीरीज : अफगानिस्तान के खिलाफ श्रीलंका टीम का ऐलान, जानिए कब-कहां खेले जाएंगे मैच

नई दिल्ली । श्रीलंका क्रिकेट ने गुरुवार, 24 नवंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। श्रीलंका आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के बाद पहली सीरीज खेलने उतरेगा। हालांकि, टीम का ऐलान होने में देरी हुई क्योंकि इसके लिए श्रीलंका के खेल और युवा मामलों के मंत्री से समर्थन मिलने की जरूरत थी। तीनों मैच पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला वनडे 25 नवंबर, दूसरा 27 और अंतिम मैच 30 नवंबर को खेला जाएगा। भानुका राजपक्षे, जिन्हें टीम में शामिल किया गया है, ने श्रीलंका क्रिकेट से उन्हें मौजूदा 16 सदस्यीय टीम से रिलीज होने का अनुरोध किया है, क्योंकि वह 50 ओवर के प्रारूप से ब्रेक लेना चाहते हैं। घोषित की गई टीमें में कोई बड़ा आश्चर्य नहीं है। कप्तानी स्टार ऑलराउंडर दासुन शनाका करेंगे, वहीं उप-कप्तान कुसल मेंडिस होंगे। सुपर 12 चरण से बाहर होने के बाद दोनों एशियाई पक्ष टी20 मार्की इवेंट में अपनी विफलताओं को दूर करने की कोशिश करेंगे। हेड टू हेड की बात करें तो श्रीलंका ने तीन मौकों पर अफगानिस्तान से बेहतर प्रदर्शन किया है, जबकि अफगानिस्तान ने अब तक केवल एक मैच श्रीलंका के खिलाफ जीता है।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं- श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), पाथुम निसंका, धनंजय डी सिल्वा, चरित असलंका, दिनेश चंडीमल, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), वानिन्दु हसरंगा, दुनिथ वेल्लालेज, धनंजय लक्षण, कसुन राजिथा, महेश थेक्षणा, प्रमोद मदुशन, असिता फर्नांडो, एशेन बंडारा, लाहिरू कुमारा, भानुका राजपक्षे

रोनाल्डो पर लगा 50 हजार पाउंड का जुर्माना, दो मैचों का निलंबन भी ; सात महीने पुराना है मामला

स्पोर्ट्स डेस्क - फुटबॉल एसोसिएशन चैलेंज कप ने एक ऑटिस्टिक लड़के के हाथ मारकर मोबाइल फोन तोड़ने के मामले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर 50,000 पाउंड का भारी जुर्माना लगाया है। एफए ने इसी के साथ ही रोनाल्डो को अगले दो मैच खेलने से भी निलंबित कर दिया है। इस 37 वर्षीय फुटबॉलर पर 14 वर्षीय लड़के के प्रति हिंसक कृत्य व आचरण का आरोप है। यह घटना अप्रैल में हुई थी जब क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एवर्टन के खिलाफ जीत हासिल की थी। फुटबॉलर को जैकब केली को चेतावनी देते हुए हाथ मारा जिससे उसका फोन जमीन पर गिर गया था। जब क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गुडिसन पार्क में पिच छोड़ी तो पीड़ित की मां ने शिकायत की कि बच्चे का हाथ सूजा हुआ है और चोट के निशान हैं। इस घटना की सूचना मिलने के बाद एफए ने लिखित तर्क दिया और क्रिस्टियानो रोनाल्डो को दंडित किया। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ अनुबंध समाप्त होने के ठीक बाद यह आया है। एक साक्षात्कार में रोनाल्डो ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें रेड डेविल्स द्वारा धोखा दिया गया है। रोनाल्डो पर लगातार दो मैचों में नहीं खेलने पर लगा प्रतिबंध चेल्सी और न्यूकैसल के लिए बड़ा नुकसान हो सकता है। इससे फीफा 2022 विश्व कप में घाना के खिलाफ उनकी तैयारियों में बाधा आ सकती है। फुटबॉलर पर लगे आरोपों के बाद उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर किशोर से माफी भी मांगी। इसके अतिरिक्त रोनाल्डो ने किशोर प्रशंसक को ओल्ड ट्रैफर्ड में लाइव मैच देखने के लिए आमंत्रित किया है।

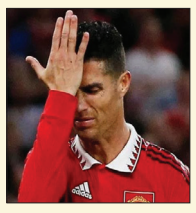

फीफा विश्व कप : सेनेगल के खिलाफ दबाव से निपटना चाहेगा मेजबान कतर

दोहा (एजेंसी)। विश्व कप मेजबान कतर के लिए बद से बदतर साबित हो सकता है, अगर उसके खिलाड़ी ग्रुप ए के अपने दूसरे मैच में अफ्रीकी चैम्पियन सेनेगल के खिलाफ दबाव से निपटने में सफल नहीं हो पाए। कतर पहले ही विश्व कप के शुरूआती मैच को गंवाने वाला पहला मेजबान बन चुका है। उसे रविवार को इक्वाडोर से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इससे उस पर ग्रुप चरण से बाहर होने वाला दूसरा मेजबान बनने का खतरा भी मंडरा रहा है जबकि पहली बार ऐसा 2010 में दक्षिण अफ्रीका के साथ हुआ था।

अगर वह प्रत्येक मैच में हार गया? या फिर घरेलू विश्व कप में एक भी गोल करने में सफल नहीं रहा तो इससे फीफा के छोटे और अमीर खाड़ी देश को विश्व कप की मेजबानी सौंपने के फैसले की और भी आलोचना होगी जो 12 साल पहले मेजबानी का अधिकार जीतने से पहले फुटबॉल के इस बड़े टूर्नामेंट में कभी भी क्वालीफाई नहीं कर सका था।

कतर के कोच फेलिक्स सांचेज ने कहा, 'हम इस जिम्मेदरी से थोड़े अभिभूत थे। हम थोड़े नर्वस भी थे।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम (सेनेगल के खिलाफ) थोड़े कम दबाव में होंगे और हम मैच में अधिक प्रतिस्पर्धी तरीके से खेलेंगे। मुझे लगता है कि हम इसकी ओर काम कर सकते हैं।% कतर के पास शुक्रवार को सेनेगल के खिलाफ होने वाले मैच में यह दिखाने का मौका होगा कि वह विश्व कप में शामिल होने का हकदार है। प्रतिद्वंद्वी टीम में इंग्लैंड, स्पेन, इटली और फ्रांस की शीर्ष लीग में खेलने वाले कई खिलाड़ी होंगे, भले ही उसे चोटिल फॉरवर्ड सादियो माने की कमी खल रही हो।

सांचेज ने कहा, 'हम अभी काफी सुधार कर सकते हैं।' कतर भले ही 2019 का एशियाई चैम्पियन हो लेकिन टीम का प्रत्येक सदस्य देश में स्थानीय क्लब के लिए खेलता है जो उनके और विश्व कप के मानक के बीच अंतर का संकेत हो सकता है। सेनेगल को भले ही मजबूत नीदरलैंड से शुरूआती मैच में हार मिली हो लेकिन उसने प्रतिद्वंद्वी टीम को परेशानी में डाला था। पर दूसरे हाफ में उसके मिडफील्डर चेखोऊ कोयाते और डिफेंडर अब्दोऊ डियाओ चोटिल हो गए थे जिससे मैच के दौरान टीम की लय पर असर पड़ा था और नीदरलैंड ने इसी का फायदा उठाते हुए अंत में गोल दागकर जीत दर्ज की थी। कोयाते के कतर के खिलाफ मैच से बाहर रहने की संभावना है लेकिन सेनेगल के कोच अलियोऊ सिसे ने कहा कि टीम का ध्यान अगले मैच पर लगा हुआ है जिसमें उन्हें इस्माइला सार, बोलाये दिया और क्रेपिन डियाटा की नई फॉरवर्ड पंक्ति से काफी उम्मीदें लगी हुई हैं।

पंजाब, जम्मू-कश्मीर ग्रुप डी से विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट में

बेंगलुरू(एजेंसी)। पंजाब और जम्मू-कश्मीर ने यहां अपने प्रतिद्वंद्वियों पर आसान जीत के साथ विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप डी से नॉकआउट में प्रवेश किया। पंजाब ने नगालैंड को छह विकेट से हराया जबकि जम्मू-कश्मीर ने उत्तराखंड को नौ विकेट से शिकस्त दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी नगालैंड की टीम 48.5 ओवर में सिर्फ 145 रन पर ढेर हो गई। विकेटकीपर बल्लेबाज चेतन बिष्ट ने 89 गेंद में सर्वाधिक 47 रन बनाए। श्रीकांत मुंदे ने 24 जबकि जोशुआ ओजुकुम ने 20 रन की पारी खेली।

पंजाब की मयंक मार्कंडेय (20 रन पर तीन विकेट), अभिषेक शर्मा (31 रन पर तीन विकेट) और गौरव चौधरी (31 रन पर दो विकेट) की स्पिन तिकड़ी ने आठ विकेट चटकाए। पंजाब ने इसके जवाब में अनमोलप्रीत सिंह की 65 रन की पारी जबकि अनमोल मल्होत्रा के नाबाद 35 रन से 29.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। नगालैंड की ओर से रोंगसेन जोनाथन ने 44 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वानखेड़े स्टेडियम में एक अन्य मैच में उत्तराखंड ने प्रियांशू खंडूड़ी के 97, स्वप्निल सिंह के 61 और दीक्षांशु नेगी के नाबाद 52 रन से जम्मू-कश्मीर के खिलाफ पांच विकेट पर 251 रन का स्कोर खड़ा किया। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने जम्मू-कश्मीर की ओर से 48 रन देकर तीन विकेट चटकाए। जम्मू-कश्मीर ने इसके जवाब में विवरांत शर्मा की 124 गेंद में नाबाद 154 रन की पारी और शुभम खजूरिया के 71 रन से 42.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। ग्रुप डी

के एक अन्य मैच में नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में मध्य प्रदेश ने बड़ौदा को 290 रन से रौंद दिया।

विश्व टीम शतरंज चैंपियनशिप - फ्रांस को हराकर भारत सेमी फाइनल मे

येरूशलम ,इज़राइल । फीडे विश्व शतरंज ओलंपियाड में कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम नें शानदार अंदाज में विश्व टीम शतरंज चैंपियनशिप के सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया है । भारत नें कल रात खेले गए मुक़ाबले में फ्रांस को टाईब्रेक में 2.5-1.5 से हराकर अंतिम चार में अपना स्थान पक्का कर लिया और अब भारत का सामना ओलंपियाड स्वर्ण पदक विजेता उज्बेकिस्तान से होगा । क्वाटर फाइनल में बेस्ट ऑफ 2 मैच के आधार पर विजेता का फैसला होना था और भारत नें शानदार शुरुआत की, पहले बोर्ड पर विदित गुजराती नें विश्व ब्लिट्ज़ चैम्पियन मकसीम लागरेव को हराया तो तीसरे बोर्ड पर एसएल नारायनन नें लौरेंट फ्रेसिनेट को पराजित कर किया ,निहाल सरीन और कृष्णन शशिकिरण के मुक़ाबले ड्रॉ रहे और भारत नें मैच 3-1 से जीत लिया पर दूसरे मुक़ाबले में फ्रांस नें जोरदार पलटवार किया और इस बार विदित और नारायनन को हार का सामना करना पड़ा और भारत 3-1 से हार गया । ऐसे में दोनों टीम 1-1 की बराबरी पर आ गयी और अब जीत का निर्णय टाईब्रेक से होना था और ऐसे में दोनों टीम के बीच एक ब्लिट्ज़ मुक़ाबला खेला गया जिसमें इस बार विदित नें मकसीम को ड्रॉ पर रोका तो नारायनन नें फ्रेसिनेट को मात देते हुए भारत को बढ़त दिलाई पर चौथे बोर्ड पर शशिकिरण मकसीम लागरदे से हार गए और स्कोर 1.5-1.5 हो गया ,ऐसे में निहाल सरीन नें जुलेस मौसार्ड को मात देते हुए भारत को 2.5-1.5 से जीत दिला दी ।

भारतीय पैरा निशानेबाजों का विश्व चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, पांच पदक जीते

भारत ने विश्व पैरा निशानेबाजी चैंपियनशिप में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए यूएई के अल ऐन में तीन स्वर्ण पदक सहित पांच पदक जीते। इस प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम पांचवें स्थान पर रही। सिडनी विश्व चैंपियनशिप 2019 में तीन कांस्य पदक के बाद यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दक्षिण कोरिया की टीम 20 पदक के साथ शीर्ष पर है। मेजबान यूएई की टीम दो स्वर्ण सहित चार पदक के साथ आठवें स्थान पर चल रही है। भारत ने तीनों स्वर्ण टीम चैंपियनशिप में जीते। राहुल ने एकमात्र व्यक्तिगत पदक कांस्य पदक के रूप में पी3 मिश्रित 25 मिश्रित पिस्टल एसएच1 फाइनल्स में जीता। जाखड़ उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने पी3 टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इस टीम में पैरालंपिक पदक विजेता सिंहराज और निहाल सिंह भी शामिल थे। जाखड़ ने बाद में रूबीना फ्रांसिस और दीपेंद्र सिंह के साथ मिलकर पी5 मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल स्टैंडर्ड एसएच1 में स्वर्ण पदक जीता। पी1 पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में सिंहराज और निहाल ने पैरालंपिक चैंपियन मनीष नरवाल के साथ मिलकर कोरिया और तुर्की की टीम को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। सिंहराज हालांकि व्यक्तिगत फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रहे। वह अधिकांश समय आगे चल रहे थे लेकिन फाइनल में जब छह शॉट बाकी थे तब सात अंक का निशाना लगाकर बाहर हो गए। सिंहराज ने नरवाल और दीपेंद्र के साथ मिलकर पी4 मिश्रित 50 मीटर पिस्टल एसएच1 में रजत पदक जीता। नई राइफल और नई व्हीलचेयर के साथ निशानेबाजी कर रही पैरालंपिक स्टार अवनी लेखरा आर8 महिला 50 मीटर थ्री पोजीशन एसएच1 और आर2 महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच 1 फाइनल में क्रमश- पांचवें और छठे स्थान पर रहीं।

हार्दिक के कप्तानी कौशल से भारत को टी20 क्रिकेट में काफी मदद मिल सकती है, मिलर ने की पांड्या की तारीफ

अबुधाबी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर डेविड मिलर का मानना है कि बतौर कप्तान हार्दिक पंड्या अपनी अभूतपूर्व मानसिक स्पष्टता और काम करने के तरीके से भारतीय टी20 टीम को निर्भीक बना सकते हैं। हार्दिक को 2024 टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के कप्तान के तौर पर देखा जा रहा है क्योंकि मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा के अगले दो साल तक खेल के इस प्रारूप में इस जिम्मेदारी को निभाने की उम्मीद नहीं है। पिछले दो वर्षों में खेल के सर्वश्रेष्ठ 'फिनिशर' में शामिल हुए मिलर दक्षिण अफ्रीका को दबाव भरी परिस्थितियों से उबारने वाले खिलाड़ी बन चुके हैं।

उन्होंने कहा कि हार्दिक ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटन्स को पदार्पण में खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभायी है। उन्होंने यहां अबुधाबी टी10 लीग के मौके पर कहा, ''आईपीएल में उनकी कप्तानी में खेलने से मुझे लगता है कि वह नैसर्गिक नेतृत्वकर्ता है, लोग उसका अनुकरण करते हैं। आप जैसा खेलना चाहते हो, वह आपको वैसा ही खेलने की आजादी देता है। वह बतौर कप्तान बहुत एकजुट रखने वाला है, वह चाहता है कि हर कोई एक दूसरे के करीब रहे। '' मिलर ने कहा, ''साथ ही वह अनुशासन के मामले में भी बहुत ही स्पष्ट है। उसमें बतौर कप्तान काफी अच्छे गुण हैं। '' उन्होंने कहा, ''आईपीएल में भी जैसे जैसे सत्र आगे बढ़ता रहा, वह बेहतर से बेहतर होता रहा और मुझे (भारतीय टीम में भी उसके) यही करने की उम्मीद है।''

भारत को पावरप्ले में अपनी पुराने रवैये में बदलाव की जरूरत है तो क्या हार्दिक यह बदलाव ला सकते हैं और खिलाड़ियों को विफलता के बारे में चिंतित नहीं होने का गुर सीखा सकते हैं?, इस पर मिलर ने कहा, ''बिलकुल। वह मानसिक रूप से खिलाड़ियों को काफी बेहतर बना देगा। शत प्रतिशत। वह हमेशा खिलाड़ियों को वही करने देता है जो वे करना चाहते हैं जो काफी महत्वपूर्ण हैं। '' मिलर को गुरूवार को अमेरिकी की टी10 फ्रेंचाइजी मोरिसविले सैम्प आर्म का उप कप्तान नियुक्त किया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सेहत का राज बस 4 ग्लास पानी एक साथ

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

● मधुमेह एक माह के लगभग। ● उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
● गैस दो सप्ताह के लगभग। ● टी.बी. छः माह के लगभग। ● कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने स ` उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भीतर इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्चा में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्ट्स है.

जरा संभलकर मम्मी टू बी...

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

ऐसा न करें

● भारी वस्तुएं न उठाएं। ● कमर को झुकाएं नहीं।
● उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें। ● जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
● ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
● कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
● हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

● भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
● कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
● अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
● नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
● हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
● भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
● जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।

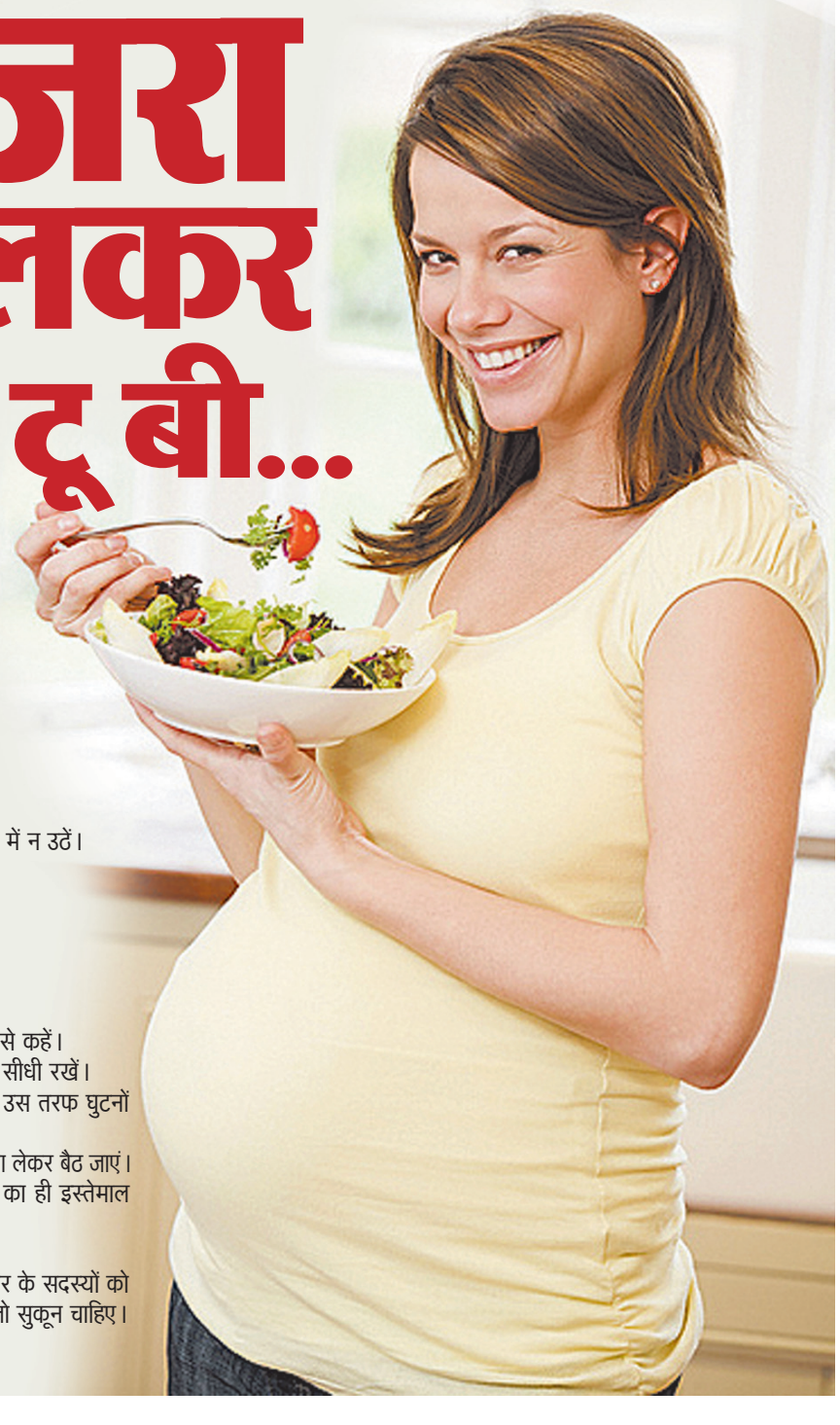

यूएई सरकार का कड़ा फैसला, पासपोर्ट पर ऐसे नाम वाले भारतीयों को नहीं मिलेगी यात्रा की अनुमति

नयी दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नए दिशा-निर्देशों के तहत अब पासपोर्ट में सिर्फ एक नाम वाले लोगों को देश में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने ट्रेड पार्टनर इंडिगो एयरलाइंस को बताया कि पासपोर्ट पर एक ही नाम वाले यात्री जो पर्यटक, यात्रा या किसी अन्य प्रकार के वीजा पर यात्रा कर रहे हैं, उन्हें सोमवार से संयुक्त अरब अमीरात से/आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसका अर्थ है कि पहले और अंतिम दोनों नामों को स्पष्ट रूप से घोषित करने की आवश्यकता है।

भारतीय पासपोर्ट पर एक नाम वाले यात्री नहीं कर सकेंगे यूएई की यात्रा

यूएई के नवीनतम दिशा-निर्देशों का उल्लेख करते हुए एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, 'कोई पासपोर्ट धारक जिसका केवल एक शब्द का नाम है या उपनाम है उसे यूएई प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी और यात्री को आईएनएडी (अस्वीकार्य यात्री) माना जाएगा।' 21 नवंबर के परिपत्र के अनुसार, ऐसे यात्रियों (एक शब्द के नाम वाले) को वीजा जारी नहीं किया जाएगा और अगर पहले वीजा जारी किया जा चुका है, तो आव्रजन अधिकारियों द्वारा उन्हें आईएनएडी माना जाएगा। दिशा-निर्देश लागू हो चुके हैं। यूएई दुबई सहित सात अमीरात का एक संवैधानिक संघ है। अबू धाबी शहर संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी है।

किम की बहन का आपत्तिजनक बयान, दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति और उनकी सरकार को ''बेवकूफ'' और ''अमेरिका द्वारा डाली हड्डी खाने वाले जंगली कुत्ते'' बताया

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उसे धमकियां दीं। यो जोंग ने दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति और उनकी सरकार को ''बेवकूफ'' और ''अमेरिका द्वारा डाली हड्डी खाने वाले जंगली कुत्ते'' बताया है। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय के उत्तर कोरिया के हालिया मिसाइल परीक्षणों के मद्देनजर उस पर अतिरिक्त एकतरफा प्रतिबंध लगाने पर विचार करने संबंधी बयान देने के दो दिन बार यो जोंग ने यह टिप्पणी की है। मंत्रालय ने कहा था कि अगर उत्तर कोरिया परमाणु परीक्षण जैसी उकसावे भरी कार्रवाई जारी रखता है, तो वह उसके कथित साइबर हमलों को लेकर भी प्रतिबंध लगाने पर विचार करेगा। सरकारी मीडिया के अनुसार, किम यो जोंग ने कहा, ''मुझे आश्चर्य है कि अमेरिका की फेंकी हड्डी खाने वाला जंगली कुत्ता दक्षिण कोरियाई समूह बेशर्मी से उत्तर कोरिया पर कौन से प्रतिबंध लगाएगा। क्या तमाशा है।'' उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति यून सुक योल ''बेवकूफ'' हैं और उनकी सरकार भी ''बेवकूफों से भरी है, जो क्षेत्र में एक खतरनाक स्थिति पैदा कर रही है।'' यो जोंग ने कहा कि जब यून के पूर्ववर्ती मून जे-इन सत्ता में थे, जिन्होंने उत्तर कोरिया के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश की थी, तब दक्षिण कोरिया ''हमारे निशाने पर नहीं था।'' इस टिप्पणी को दक्षिण कोरिया में यून विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देने के संभावित प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। दक्षिण कोरिया ने पिछले महीने उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों व मिसाइल कार्यक्रमों को अवैध रूप से वित्तीय मदद मुहैया कराने के संदेह में उत्तर कोरिया के 15 लोगों और 16 संगठनों पर प्रतिबंध लगाए थे। पिछले पांच साल में दक्षिण कोरिया द्वारा उत्तर कोरिया पर लगाया गया यह पहला एकतरफा प्रतिबंध था। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि ये एक प्रतीकात्मक कदम है, क्योंकि दोनों देशों के बीच वित्तीय लेन-देन बेहद कम है।

तमिल अल्पसंख्यक मसले पर श्रीलंका के राष्ट्रपति सर्वदलीय बैठक बुलायेंगे

कोलंबो । श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने देश में राजनीतिक स्वायत्तता की अल्पसंख्यक तमिलों की पुरानी मांग के समाधान के लिये अगले महीने सर्वदलीय बैठक बुलाने का ऐलान किया। संसद को बुधवार को संबोधित करते हुये विक्रमसिंघे ने कहा कि वह 11 दिसंबर के बाद वह यह बैठक बुलायेंगे, जब 2023 के बजट पर संसद अपना काम समाप्त कर लेगी। विक्रमसिंघे ने कहा, ''(तमिल सांसद) श्री सुमनथिरन ने इस मसले के समाधान के लिये 1984 के बाद से हमारे द्वारा किए गए सभी प्रयासों का उल्लेख किया है।'' उन्होंने कहा, ''हमें निश्चित तौर पर इसका समाधान खोजना होगा, अगर नहीं तो 2048 तक श्रीलंका ऐसा ही बना रहेगा।'' विक्रमसिंघे ने कहा कि लंबे समय से चल रहे संघर्ष के समाधान के लिये बहुसंख्यक सिंहलियों और तमिलों के बीच विश्वास बहाली के उपाय करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रीलंका की आजादी के 75 वें वर्ष में अगले साल चार फरवरी तक देश को इसका समाधान खोजना होगा। उन्होंने कहा, ''हमें तमिलों, सिंहलियों और मुस्लिमों का विश्वास जीतना होगा।'' तमिलों और मुख्य विपक्षी दलों ने इस चर्चा करने के लिए मुलाकात की इच्छा जतायी है, जबकि सिंहली बहुमत वाले एक कट्टरपंथी सांसद ने प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है।

यूक्रेन में अस्पताल के प्रसूति वार्ड पर रॉकेट हमले में नवजात की मौत

कीव। दक्षिणी यूक्रेन के एक अस्पताल के प्रसूति वार्ड में रॉकेट से किए गए हमले में एक नवजात की मौत हो गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मलबे से जच्चा और एक डॉक्टर को निकाला गया है। हमले में मारे गए बच्चे का जन्म दो दिन पहले हुआ था। यूक्रेन की प्रथम महिला ओलेना जेलेंस्का ने इस हमले पर गहरा दुख जताया और कहा, ''हम इसे कभी नहीं भूलेंगे और कभी माफ नहीं करेंगे। क्षेत्र के गवर्नर के अनुसार, रॉकेट रूसी थे। यह हमला विलनियांस्क शहर के एक अस्पताल में हुआ। क्षेत्रीय गवर्नर ऑलेक्जेंडर स्तारुख ने टेलीग्राम पर लिखा, ''रूसी दानवों ने रात में विलनियांस्क में अस्पताल के प्रसूति वार्ड पर कई रॉकेट दागे... इस हमले में एक शिशु की मौत हो गई जो अभी पैदा ही हुआ था। बचावकर्मी वहां काम कर रहे हैं।5 उन्होंने कई तस्वीरें भी पोस्ट की हैं जिनमें मलबे से घना धुआं उठता दिखाई दे रहा है। ओलेना जेलेंस्का ने ट्विटर पर लिखा कि इस हमले में 2 दिन के बच्चे की मौत हो गई। शुरू में, राज्य आपातकालीन सेवा (एसईएस) ने कहा था कि रूसी हमले में एक बच्चे की मौत हो गई और मलबे से एक मां और एक डॉक्टर को निकाला गया है। उस समय वार्ड में वे ही लोग थे। एसईएस ने टेलीग्राम पर बाद में एक अन्य पोस्ट में स्पष्ट किया कि बचाई गई महिला पीड़ित नवजात शिशु की मां है। अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में दो मंजिला इमारत पूरी तरह नष्ट हो गई। विलनियांस्क यूक्रेन की राजधानी कीव से करीब 500 किलोमीटर (300 मील) दक्षिण-पूर्व में स्थित है। रूसी हमले के कारण यूक्रेन के बुनियादी ढांचों को भारी नुकसान हुआ है और ऐसे में डॉक्टरों के लिए मरीजों का इलाज कर पाना भी कठिन हो गया है। दक्षिणी शहर खेरसॉन में स्थिति और भी खराब है जहां महीनों तक रूस का कब्जा था और करीब दो हफ्ते पहले रूस पीछे हट गया। लेकिन उसने बिजली और पानी की लाइनें काट दी थीं। शहर में कई डॉक्टर अंधेरे में काम कर रहे हैं, मरीजों को सर्जरी के वास्ते ले जाने के लिए लिफ्ट का उपयोग नहीं हो रहा है। 'हेडलैंप, सेल फोन और फ्लैशलाइट' आदि के सहारे इलाज किया जा रहा है। कुछ अस्पतालों में, प्रमुख उपकरण अब काम नहीं कर रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, नागरिकों और नागरिक वस्तुओं के खिलाफ आतंकवादी राज्य की लड़ाई जारी है। उन्होंने टेलीग्राम पर कहा, दुश्मन ने एक बार फिर आतंक और हत्या के साथ वह हासिल करने की कोशिश की जो वह नौ महीने में नहीं हासिल कर पाया और वह आगे भी हासिल नहीं कर सकेगा।

दक्षिण अफ्रीका के नए जीवाश्म 26 करोड़ 60 लाख वर्ष पहले के संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र के प्रतिनिधि

विधायी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका अपने आश्चर्यजनक रूप से समृद्ध और विविध जीवाश्म रिकॉर्ड के लिए प्रसिद्ध है। देश की चट्टानें पृथ्वी पर जीवन के 3.5 अरब वर्षों से अधिक के जीवाणु जीवन के प्राचीन रूप, भूमि पर जीवन का उद्भव, बीज-उत्पादक पौधों, सरीसृप, डायनासोर और स्तनधारियों का विकास - और मानवता का दस्तावेज हैं। बहुत से लोग होमिनिड जीवाश्मों से परिचित होंगे जैसे ऑस्ट्रेलोपिथेकस अफ्रिकेनस स्कल मिसेज (या यह मिस्टर है?) प्लेज और प्रतिमान-परिवर्तनशील टोंग चाइल्ड।कम प्रसिद्ध और समान रूप से महत्वपूर्ण जीवाश्म जैसे कि प्राचीन सुपरकॉन्टिनेंट गोंडवाना में सबसे पुराने स्थलीय कशेरुक, जो समुद्र से और जमीन पर पहले कदमों का दस्तावेजीकरण करते हैं, दक्षिण अफ्रीका से ही निकले हैं। देश के जीवाश्मों का धन क्षेत्र के अद्वितीय भूविज्ञान के हिस्से के कारण है, जो अपने करू बेसिन में लगभग 10करोड़ वर्षों के निरंतर निक्षेपण का दस्तावेजीकरण करता है। 30 करोड़ वर्ष पहले के महान कार्बोनिफेरस हिम युग से लेकर जुरासिक रेगिस्तानों के विशाल टीलों तक जहां डायनासोर 20करोड़ वर्ष पहले घूमते थे, जीवाश्मों में भी जलवायु परिवर्तन का सुराग मिलता है। वैज्ञानिक बड़े पैमाने पर विलुप्त होने की घटनाओं की तबाही को पढ़ सकते हैं जिसने वैश्विक पारिस्थितिक तंत्र को नष्ट कर दिया और पृथ्वी के इतिहास की दिशा को बदल दिया। लेकिन जीवन के विकास की ''बड़ी तस्वीर'' को समझने की दौड़ में और इसके नाटकीय उतार-चढ़ाव को सुर्खियों में लाने के दौरान, छोटी

और शांत चीजों को भूल जाना कोई बड़ी बात नहीं है। रुकें, और विचार करें कि मनुष्यों, स्तनधारियों, पक्षियों, तितलियों, फूलों, या यहां तक कि डायनासोर के बिना दुनिया में एक औसत दिन में जीवन कैसा दिखता था। 26.6 करोड़ साल पहले, जो अब दक्षिण अफ्रीका का उत्तरी केप प्रांत है, एक उमस भरी गर्मी की दोपहर में लहरदार झील के किनारे का नजारा कैसा था? खोज, और हमने क्या पाया एक नए पेपर में, मैं और मेरे सहयोगी इस तरह के पारिस्थितिकी तंत्र की पहली झलक प्रदान करते हैं। हमें छोटे कीड़ों के जीवाश्मों की प्रचुरता मिली है जो पहले कभी नहीं मिले, साथ ही महत्वपूर्ण पौधों के नमूने भी मिले हैं जो हमारी समझ को बदल रहे हैं कि वे कैसे विकसित हुए। हमारे निष्कर्ष पारिस्थितिक तंत्र पर विलुप्त होने की घटनाओं के प्रभावों के बारे में नई जानकारी देते हैं। इस विषय को अहमियत मिली है क्योंकि वैज्ञानिकों ने छठी महान विलुप्त होने की घटना को क्या कहा है, जो ग्लोबल वार्मिंग की वर्तमान प्रवृत्ति से प्रेरित है। पिछले कुछ वर्षों से हम उत्तरी केप में सदरलैंड के पास एक छोटी, अवर्णनीय चट्टान की खुदाई कर रहे हैं। यह बहिर्वाह पौधों, कीड़ों और अन्य अकशेरुकी जीवों के अनकहे जीवाश्म खजाने से भरा पड़ा है जो विज्ञान के लिए नए हैं। ये अद्वितीय जीवाश्म, कुछ केवल कुछ मिलीमीटर लंबे, हमें बता रहे हैं कि 26 करोड़ 60 लाख और 26 करोड़ 80 लाख साल पहले मध्य पर्मियन अवधि के दौरान एक डेल्टा मैदान पर एक शांत पूल में और उसके आसपास कौन रहता था। इस युग की चट्टानों में सबसे पुराने थेरेप्सिड्स के जीवाश्म हैं, सरीसृपों का एक समूह जिसने अंततः स्तनधारियों को जन्म दिया। इस समय के अन्य जीवन में कछुओं के छिपकली जैसे पूर्वज, बड़े उभयचर जो पानी की सतह के ठीक नीचे मगरमच्छों की तरह दुबक गए थे, और ग्लोसोपटेरिस नामक पेड़ के जंगलों में काई, फ़र्न और हॉर्सटेल जैसे बीजाणु-उत्पादक पौधों की तहें थी। जीवाश्म विज्ञानियों की टीमों ने दक्षिण अफ्रीका के पश्चिमी और दक्षिणी कारू में कई सैकड़ों कशेरुक जीवाश्मों की खोज की है और खुदाई की है, जो सदरलैंड जिले और आसपास के क्षेत्रों सहित पर्मियन से पहले के हैं। लेकिन कशेरुक जीवाश्म हड्डियों से समृद्ध चट्टानों के प्रकार पौधों और अकशेरूकीय को संरक्षित नहीं करते हैं। इस तरह के संरक्षण के लिए शांत झीलों और तालों में मौजूद कम ऑक्सीजन, अम्लीय स्थितियों की आवश्यकता होती है, जबकि हड्डियां अधिक ऑक्सीजन युक्त स्थान में अच्छी तरह से संरक्षित रह पाती हैं। इससे इस समय के पारिस्थितिक तंत्र को समझना मुश्किल हो जाता है - और इसका मतलब है कि हमारी खोजें विशेष रूप से आश्चर्यजनक हैं।

बदनाम करने वाले अभियान को लेकर पाकिस्तानी सेना का धैर्य असीम नहीं हो सकता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने अपनी सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पहले बुधवार को आगाह किया कि सेना को बदनाम करने के लिए जो अभियान जारी है, उसे लेकर सेना का धैर्य असीम नहीं हो सकता। उन्होंने नेताओं से अपने अहंकार को दूर रखने, अतीत की गलतियों से सीखने और आगे बढ़ने का आग्रह किया। बाजवा ने इन दावों को भी खारिज कर दिया कि पिछली सरकार को गिराने में विदेशी साजिश थी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अगर ऐसी साजिश होती भी तो सेना इसे अंजाम तक नहीं पहुंचने देती। बाजवा (61)29 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्हें 2016 में तीन साल के लिए सेना प्रमुख नियुक्त किया गया था। 2019 में उन्हें तीन साल का सेवा विस्तार दिया गया था। उन्होंने एक और विस्तार की इच्छा से इनकार किया है। जनरल बाजवा ने रावलपिंडी में रक्षा एवं शहीद दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सेना को निशाना बनाने वालों को भी शांति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि 'मैं इसे भूलकर आगे बढ़ना चाहता हूं।' बाजवा ने सभी हितधारकों से पिछली गलतियों से सबक लेकर आगे बढ़ने का आग्रह किया। देश में रक्षा एवं शहीद दिवस 6 सितंबर को मनाया जाता है, लेकिन इस बार आई भीषण बाढ़ के कारण इस साल आयोजन में देरी हुई है। उन्होंने कहा, 'मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि कोई विदेशी साजिश नहीं थी, अगर ऐसी साजिश होती भी तो सेना इसे अंजाम तक पहुंचने नहीं देती।' उन्होंने कहा कि सेना की छवि खराब करने के लिए झूठी और मनगढ़ंत कहानियां गढ़ी गईं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान को अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया था।

भारत प्रत्यर्पण के आदेश के खिलाफ नीरव मोदी की नई चाल, मांगी उच्चतम न्यायालय में अपील की अनुमति

लंदन (एजेंसी)। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी ने लंदन उच्च न्यायालय में एक आवेदन दायर कर अपने भारत प्रत्यर्पण के आदेश के खिलाफ ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय में अपील करने की अनुमति मांगी है। लंदन की उच्च न्यायालय ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ऋण घोटाले के मामले में करीब दो अरब डॉलर की धोखाधड़ी और धन शोधन के आरोपों का सामना करने के लिए हाल ही में नीरव मोदी को भारत प्रत्यर्पित करने का आदेश दिया था।

नीरव (51) अभी लंदन के वैंड्सवर्थ कारागार में बंद है। आम जनता के हित से जुड़े कानून के एक बिंदु के आधार पर उसके पास अपील दायर करने के लिए दो सप्ताह का समय है। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के अनुसार, नीरव को भारत प्रत्यर्पित किए जाने की राह में अब भी कई कानूनी अड़चनें हैं। भारतीय अधिकारियों की ओर से काम कर रही क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) के अब नीरव के नए आवेदन का जवाब देने की उम्मीद है, जिसके बाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश लिखित में फैसला देंगे। क्रिसमस की छुट्टियों की वजह से यह मामला और भी लटक सकता है।

न्यायाधीश जेरेमी स्टुअर्ट-स्मिथ और न्यायाधीश रॉबर्ट जे ने नीरव को भारत प्रत्यर्पित करने का फैसला नौ नवंबर को सुनाया था। अदालत ने मनोरोग विशेषज्ञों के बयान के आधार पर कहा था कि उसे ऐसा नहीं लगता कि नीरव की मानसिक स्थिति अस्थिर है और उसके खुदकुशी करने का जोखिम इतना ज्यादा है कि उसे भारत प्रत्यर्पित करना अन्यायपूर्ण और दमनकारी कदम साबित होगा। फैसले में यह भी कहा गया कि प्रत्यर्पण के बाद हीरा कारोबारी को मुंबई की जिस आर्थर रोड जेल की बैरक 12 में रखा जाना है, उसमें सुरक्षा के ''पर्याप्त उपाय'' किए गए हैं।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने फैसले के बाद कहा था कि लंदन उच्च न्यायालय में नीरव मोदी मामले की अंतिम सुनवाई के दौरान दो मनोरोग विशेषज्ञों की गवाही उसकी खराब मनोवैज्ञानिक स्थिति के तर्क के खारिज होने में महत्वपूर्ण साबित हुई और इसके चलते फैसला भारत के पक्ष में आया। नीरव को इस साल फरवरी में जिला न्यायाधीश सैम गूजी की वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत की प्रत्यर्पण के पक्ष में दी गई व्यवस्था के खिलाफ अपील करने की अनुमति दी गई थी।

नीरव के खिलाफ दो मामले हैं। एक धोखाधड़ी से ऋण समझौता करके और सहमति-पत्र हासिल करके पीएनबी के साथ बड़े स्तर पर जालसाजी करने से संबंधित है, जिसकी सीबीआई जांच कर रही है। वहीं, दूसरा मामला इस धोखाधड़ी से प्राप्त काले धन को सफेद करने से संबंधित है, जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जा रही है। नीरव पर साक्ष्यों को गायब करने और गवाहों को डराने-धमकाने के दो अतिरिक्त आरोप भी हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल असीम मुनीर पाकिस्तान के अगले सेना प्रमुख होंगे, पीएम शहबाज शरीफ ने किया ऐलान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। लेफ्टिनेंट जनरल असीम मुनीर को गुरुवार को पाकिस्तान का नया सेना प्रमुख चुना गया। मुनीर ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी, इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस में काम किया था। वह जनरल कमर जावेद बाजवा की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 29 नवंबर को समाप्त होने वाला है। बाजवा की सेवानिवृत्ति तीन साल के विस्तार के बाद होगी। उन्होंने एक और विस्तार की मांग से इनकार किया था। हफ्तों की गहन अटकलों और अफवाहों के बाद प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को लेफ्टिनेंट जनरल असीम मुनीर को सेना के नए प्रमुख (सीओएएस) के रूप में चुना। सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने ट्विटर पर यह घोषणा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग करते हुए चुनाव किया था। उन्होंने आगे कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी

(सीजेसीएससी) के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी एक अंतर-सेवा मंच है जो तीनों सशस्त्र बलों के बीच समन्वय के लिए काम करता है। सीजेसीएससी प्रधान मंत्री और राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण के प्रमुख सैन्य सलाहकार के रूप में भी कार्य करता है। इस बीच, लेफ्टिनेंट जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (सीजेसीएससी) के अध्यक्ष के रूप में चुना गया।

ब्राजील की निर्वाचन एजेंसी ने बोलसोनारो की अपील को किया खारिज, मतों को रद्द किए जाने की थी मांग

ब्राजीलिया (एजेंसी)। ब्राजील के निर्वाचन प्राधिकरण के प्रमुख ने हाल में हुए आम चुनाव में अधिकतर 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (ईवीएम) के जरिए डाले गए मतों को रद्द घोषित किए जाने के देश के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो और उनके राजनीतिक दल के अनुरोध को बुधवार को खारिज कर दिया। ब्राजील के निवर्तमान राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो ने चुनाव में मिली हार के तीन सप्ताह से अधिक समय बाद मंगलवार को सॉफ्टवेयर संबंधी किसी दिक्कत (बग) का हवाला देते हुए चुनाव परिणाम पर सवाल उठाए थे।उन्होंने निर्वाचन प्राधिकारियों से देश की अधिकतर 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (ईवीएम) के जरिये डाले गए मतों को रद्द करने की मांग की थी।

बहरहाल, विशेषज्ञों का कहना है कि इस 'बग' से परिणाम की विश्वसनीयता पर कोई असर नहीं पड़ा। बोलसोनारो और उनकी 'लिबरल पार्टी' की ओर से 33 पन्नों की अपील दायर करने वाले वकील मार्सेलो डी बेसा ने कहा था कि मतों को रद्द किए जाने के बाद बोलसोनारो के पास 51 प्रतिशत वैध मत रहेंगे और वह चुनाव में पुन- जीत जाएंगे। देश की 'सुपीरियर इलेक्टोरल कोर्ट' के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने लिबरल पार्टी और बोलसोनारो की अपील को खारिज कर दिया। उन्होंने पार्टी पर यह मुकदमा दायर करने के लिए 43 लाख डॉलर का जुर्माना भी लगाया। निर्वाचन प्राधिकारी पूर्व राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा को पहले ही विजयी घोषित कर चुके हैं और बोलसोनारो के कई सहयोगियों ने भी नतीजों को स्वीकार कर लिया है। हालांकि, बोलसोनारो के हार नहीं मानने के कारण कई शहरों में लोगों ने प्रदर्शन किए और परिणाम स्वीकार करने से इनकार कर दिया। लिबरल पार्टी के नेता वालडेमार कोस्टा और डी बेसा ने कहा कि 2020 से पहले की करीब 2,80,000 मशीनों के आंतरिक 'लॉग' में व्यक्तिगत पहचान संख्या नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस 'बग' का पहले पता नहीं चला था। इसके बावजूद विशेषज्ञों का कहना है कि इससे परिणामों पर कोई असर नहीं पड़ा है। साओ पाउलो विश्वविद्यालय के पॉलिटेक्निक स्कूल में कंप्यूटर इंजीनियरिंग और डिजिटल सिस्टम के प्रोफेसर विल्सन रग्गिएरो ने बताया कि प्रत्येक वोटिंग मशीन को अब भी उसके शहर और मतदान जिले जैसे अन्य माध्यमों से आसानी से पहचाना जा सकता है। उन्होंने कहा कि इससे चुनाव परिणाम की विश्वसनीयता पर कोई सवाल खड़ा नहीं होता।

ईरान के पास विशाल ऊर्जा संसाधन, जयशंकर से मुलाकात के बाद बोले बघेरी कानी- भारत को करता है आपूर्ति प्रदान

(एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरान के राजनीतिक मामलों के उप विदेश मंत्री अली बाघेरी कानी के बीच मुलाकात हुई है। ईरान के परमाणु मामलों से संबद्ध समग्र संयुक्त कार्य योजना (जेसीपीओए) सहित द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। वहीं राजनीतिक मामलों के ईरानी उप विदेश मंत्री बघेरी कानी के निमंत्रण पर भारत का दौरा किए जाने पर समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि ईरान और भारत विभिन्न डोमेन और क्षेत्रों में एक दूसरे के साथ सहयोग कर रहे हैं। पिछले वर्ष में दो देशों के विदेश मंत्रियों के बीच परामर्श और वार्ता हुई है।

ईरानी उप विदेश मंत्री बघेरी कानी ने कहा कि द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मैंने आज मैंने अपने समकक्ष भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के साथ रचनात्मक बैठक की। हमने चर्चा की कि हमें अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और एक-दूसरे के साथ अपनी व्यस्तताओं को जारी रखने के लिए अपने सहयोग और परामर्श को मजबूत करने की आवश्यकता है। वे भागीदार हैं और एक दूसरे को पूर्ण करते हैं। ईरान के पास विशाल ऊर्जा संसाधन हैं और वह भारत को ऊर्जा आपूर्ति प्रदान करता है।

ईरानी मंत्री ने कहा कि ईरान के पास विशाल ऊर्जा संसाधन हैं और वह भारत को ऊर्जा आपूर्ति प्रदान करता है। भारत खाद्य स्टेपल का एक प्रमुख प्रदाता है और उसी के साथ ईरान की मदद करता है। अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों ने ईरान, रूस और वेनेजुएला पर प्रतिबंध लगाए हैं। उन्होंने दुनिया की

ऊर्जा सुरक्षा को अस्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अन्य सरकारों को इन शक्तियों को उनके द्वारा उत्पन्न मुद्दों के लिए जिम्मेदार ठहराना चाहिए।

मलेशिया में जारी राजनीतिक अनिश्चितता का अंत, अनवर इब्राहिम को देश के नए प्रधानमंत्री घोषित

कुआलालंपुर (एजेंसी)। मलेशिया के सुल्तान अब्दुल्ला सुल्तान अहमद शाह ने सुधारवादी विपक्षी नेता अनवर इब्राहिम को बृहस्पतिवार को देश का नया प्रधानमंत्री घोषित किया। इससे मलेशिया में खंडित जनादे?श वाले आम चुनावों के बाद कई दिनों से जारी राजनीतिक अनिश्चितता का अंत हो गया। सुल्तान ने कहा कि अनवर को बृहस्पतिवार को ही प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। आम चुनाव में अनवर के नेतृत्व वाले गठबंधन पाकतन हरपन (उम्मीदों के गठबंधन) को सर्वाधिक 82 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

हालांकि, यह गठबंधन सरकार

गठन के लिए जरूरी 112 सीटों के आंकड़े से काफी पीछे रह गया था। चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री मुहीद्दीन के मलय-केंद्रित पेरिकटन नेशनल (राष्ट्रीय गठबंधन) को 73 सीटों पर जीत मिली थी। पैन-मलेशियन इस्लामिक पार्टी 49 सीटों पर जीत के साथ इस गठबंधन का सबसे बड़ा दल बनकर उभरी थी। अनवर के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता तब साफ हो गया, जब एकता सरकार के गठन के लिए विभिन्न छोटे दल उन्हें समर्थन देने के लिए तैयार हो गए। अनवर के प्रधानमंत्री बनने से मुहीद्दीन के शासन में मलेशिया के बढ़ते इस्लामिकरण को लेकर उपजी चिंताओं के दूर होने और शासन प्रणाली में सुधार की पहल की बहाल की उम्मीद जगी है।

1971 की हार पर छलका बाजवा का दर्द, जाते-जाते पाकिस्तान की पोल खोल गए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में नया सेना अध्यक्ष कौन होगा, इस पर बना सस्पेंस अब साफ हो गया है। जनरल कमर जावेद बाजवा की जगह जनरल आसिम मुनीर पाकिस्तान के नए आर्मी चीफ होंगे। वैसे पाकिस्तान के आर्मी चीफ बाजवा अपने पद से रिटायर होने वाले हैं। लेकिन इस दौरान एक विदाई भाषण में उनका दर्द छलक कर सामने आया है।पाकिस्तान के सेना अध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा ने अपनी ही सेना की फजीहत करवा दी है। उन्होंने पाकिस्तान की राजनीति में सेना के दखल की बात को कबूल किया है। आपको ये बता दें कि पाकिस्तान के सेना अध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा के रिटायरमेंट में अब कुछ ही दिन शेष बचे हैं और जाते जाते उन्होंने अपनी आखिरी स्पीच में पाकिस्तानी सेना की पोल भी खोल दी है। इसके साथ ही 1971 की जंग को लेकर उन्होंने बड़ा झूठ भी बोला है।

उन्होंने कहा कि 1971 की जंग में पाकिस्तान की ओर से 92 हजार नहीं बल्कि 34 हजार की ही फौज थी। जनरल बाजवा के इस भाषण में भारत के मिली करारी हार का दर्द साफ नजर आया। भारतीय फौज के सामने पाकिस्तानी फौज के सरेंडर को जनरल बाजवा ने सियासी असफलता करार दिया है। बाजवा ने ये भी कहा है कि पाकिस्तान का टूटना और बांग्लादेश का बनना सैन्य असफलता नहीं बल्कि ये एक सियासी असफलता थी। बाजवा ने अपने विदाई भाषण में कहा कि 1971 की हार एक सियासी नाकामी थी। लड़ने वाले फौजियों का तादाद 92 हजार नहीं सिर्फ 34 हजार थी। बाकी लोग अलग-अलग सरकारी विभाग से थे।

बाजवा ने कहा कि इन 34 हजार लोगों का मुकाबला भारत की ढाई लाख सेना और दो लाख ट्रेंड मुक्तिवाहिनी से था। बाजवा ने कहा कि हमारी फौज बहुत बहादुरी से लड़ी। इन बहादुरों को आज तक शहादत का सम्मान नहीं मिला है। बाजवा ने कहा कि आज मैं तमाम शहीदों को खिराज-ए-तहसीन पेश करता हूं। बाजवा ने कहा कि वह 1971 की घटनाओं के बारे में कुछ तथ्यों को %सही% करना चाहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जामा मस्जिद में लड़कियों के प्रवेश पर रोक, डीसीडब्ल्यू ने जारी किया नोटिस, स्वाति मालीवाल बोलीं- ये भारत है ईरान नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के ऐतिहासिक जामा मस्जिद में लड़कियों के प्रवेश पर रोक लगाने का फैसला लिया गया है। यह फैसला मस्जिद प्रशासन की ओर से है। मस्जिद प्रशासन की ओर से जारी आदेश के मुताबिक मस्जिद में अकेले या लड़कियों के समूह के प्रवेश पर रोक है। मस्जिद के बाहर साइन बोर्ड पर भी एक पर्ची चिपका दिया गया है। अब इसी को लेकर बवाल मच गया है। दिल्ली महिला आयोग ने शाही इमाम को नोटिस जारी कर दिया है। इसके साथ ही दिल्ली महिला आयोग के अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने साफ तौर पर कहा है कि यह शर्मनाक हरकत है। उन्होंने कहा कि यह भारत है ईरान नहीं है। स्वाति मालीवाल ने कहा कि दिल्ली महिला आयोग ने शाही इमाम को नोटिस जारी किया है। हम चाहते हैं कि ये गैर संवैधानिक हरकत तुरंत खत्म हो। स्वाति मालीवाल ने आगे कहा कि ये बहुत ही शर्मनाक और गैर संवैधानिक हरकत है। इन्हें क्या लगता है ये भारत नहीं ईरान है कि इनका जब मन करेगा महिलओं से ये भेदभाव करेंगे और इन्हें कोई कुछ नहीं कहेगा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जितना हक एक पुरुष का इबादत करने का है उतना ही एक महिला का भी है। इससे पहले दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने जामा मस्जिद के शाही इमाम को हाल ही में जामा मस्जिद में महिलाओं के अकेले या समूह में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने पर संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किया था। आपको बदा दें कि मस्जिद के तीन प्रवेश द्वारों में से प्रत्येक के बाहर साइन बोर्ड लगाए गए हैं। 'लड़कियों/महिलाओं के लिए जामा मस्जिद में अकेले प्रवेश करना प्रतिबंधित है। जामा मस्जिद के पीआरओ सबीउल्लाह खान ने कहा था कि अकेली लड़कियों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। यह एक धार्मिक स्थल है, इसे देखते हुए निर्णय लिया गया है। इबादत करने वालों के लिए कोई रोक नहीं है। हालांकि, मस्जिद प्रशासन के मुताबिक, महिलाओं को अपने पति या परिवार के साथ मस्जिद में प्रवेश करने की अनुमति होगी। आदेश जारी होने के बाद, लोगों ने अपराध किया और यहां तक कि प्रशासन को उसके फरमान के लिए फटकार लगाई, इसे 'कट्टरपंथी मानसिकता' करार दिया। इस बीच, विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने भी इस आदेश की निंदा की है और इसे 'महिला विरोधी अधिनियम' करार दिया है।

जम्मू-कश्मीर : रसोई गैस सिलेंडर के फटने से मां और बच्चे की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बृहस्पतिवार को घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर में आग लग जाने के कारण एक महिला और उसके बच्चे की मौत हो गई। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। यह घटना सुरनकोट अनुमंडल के चांदीमढ़ गांव में घटी। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान हमीदा बेगम (40) और अकिब अहमद (4) रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि घटना में हमीदा का पति और दो बच्चे बाल-बाल बच गए। उन्होंने कहा कि घटना में कम से कम एक दर्जन पशु भी मारे गए। उप-पुलिस अधीक्षक तनवीर जीलानी ने कहा कि बचाव अभियान शुरू किया गया है और अभी तक घटना में दो लोगों तथा बारह मवेशियों की मौत हो चुकी है।

प्रदेश में सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाने के लिए रेडमैप

चंडीगढ़। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने आज जींद के लोक निर्माण विश्राम गृह में सडक़ सुरक्षा की बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सरकार की जन हितैषी नीतियों एवं कार्यक्रमों को निर्धारित लक्ष्य एवं समय-सीमा के साथ लागू करें। सरकार द्वारा घोषित विकास परियोजनाओं का निर्माण गुणवत्ता पूर्वक एवं सभी आवश्यक नार्मज के मुताबिक पूरा करें, ताकि लोगों को योजनाओं का लाभ दीर्घकॉल तक मिलता रहे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी विभाग अथवा किसी अधिकारी की कोताही की वजह से सड़क पर किसी की जान नहीं जानी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवारा पशु मिलने पर सख्त लहजे में कहा कि एनएच पर जहां-जहां रैलिंग नही है, वहां रैलिंग लगाएं सड़क पर पेट्रोलिंग बढ़ाएं और अपनी कार्य प्रणाली को सुधारें। डिप्टी सीएम ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अमुमन देखा जाता है, कि सडकों के साथ लगते वृक्षों का झुकाव सडक़ पर आने के कारण अवरोध पैदा होता है,जिससे दृश्यता में दिक्कत आती है, इनको तुरंत दुरूस्त करें। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को धुंध के मौसम से पहले-पहले जिला की सभी मुख्य सडक़ों को दुरूस्त करने व गड्ढा मुक्त कर सफेद पट्टी लगाने के निर्देश दिये। एनएचआई के अधिकारियों से कहा कि नेशनल हाइवे पर किसी भी प्रकार के पत्थर या अन्य किसी रूप में कोई अवरोध नही होना चाहिए जिससे सड़क दुर्घटना हों। इसके लिए हाइवे पर लगातार चेकिंग होती रहनी चाहिए।

ऑपरेशन खुशी-5 : तीन सप्ताह में राजस्थान पुलिस ने ढूंढे 161 गुमशुदा बच्चे

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने गुमशुदा बच्चों को खोजने के लिए चलाए जा रहे अपने विशेष अभियान ऑपरेशन खुशी के तहत 161 ऐसे बच्चों को तलाश किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजस्थान पुलिस ने 'ऑपरेशन खुशी-5' के तहत पहले तीन सप्ताह में 161 लापता बच्चों को तलाश किया है तथा अन्य लापता बच्चों की तलाश के लिए वह लगातार प्रयास कर रही है। उनके अनुसार पुलिस 16 वर्ष से कम उम्र के गुमशुदा बच्चों की तलाश के लिए 'ऑपरेशन खुशी-5' अभियान चला रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सिविल राइट्स) स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि इस अभियान में राज्य में थानास्तर पर बचाव दलों द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग, महिला अधिकारिता विभाग समाज कल्याण बाल कल्याण समिति के सदस्यों एवं एनजीओ के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर इन बच्चों की तलाश के लिए व्यापक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत पहले सप्ताह कुल 58 बच्चों को तलाशा गया जिनमें इस साल लापता हुए बच्चों में से 51 बच्चे तथा 31 अक्टूबर 2021 तक गुमशुदा बच्चों में से सात बच्चे हैं। उनके अनुसार दूसरे सप्ताह 54 बच्चों को पुलिस ने ढूंढ निकाला जिनमें इस साल लापता हुए बच्चों में से 49 बच्चे तथा 31 अक्टूबर 2021 तक गुमशुदा बच्चों में से पांच बच्चे हैं। श्रीवास्ताव ने बताया कि तीसरे सप्ताह 49 बच्चों को तलाशा गया जिनमें सात बच्चे 31 अक्टूबर 2021 से पहले एवं 42 बच्चे इस साल गुम हुए बच्चों में से हैं। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन खुशी के पहले से चौथे चरण में गुमशुदा बच्चों की तलाश, बाल श्रम की रोकथाम तथा बाल श्रमिकों की समाज में पुनर्स्थापना के लिए कार्रवाई की गई थी। एक बयान में श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य के सभी जिलों की पुलिस 16 वर्ष से कम आयु के गुमशुदा बच्चों की सूचना वेब पोर्टल पर डालती हैं तथा इन बच्चों की एक डायरेक्टरी तैयार कर वह अभियान से जुड़ी प्रत्येक टीम को दी जाती है। उनके अनुसार समस्त जिला पुलिस अधीक्षक इसकी निगरानीग कर अभियान से जुड़े अन्य विभागों के साथ समन्वय बनाए रखते हैं।

राजस्थान में मंदिर हटाने गये पुलिसकर्मियों पर पथराव ; छह पुलिसकर्मी घायल

जयपुर। राजस्थान के सिरोही जिले के आबूरोड क्षेत्र में बुधवार को एक मंदिर हटाने का विरोध कर रहे स्थानीय लोगों द्वारा किए गए पथराव में छह पुलिसकर्मी घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने सतपुर गांव में एक तालाब पर अतिक्रमण कर बनाए गए मंदिर को हटाने का आदेश दिया था। उन्होंने बताया कि हिंसा के सिलसिले में करीब दो दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आबूरोड तालाब के पास बने एक छोटे मंदिर के ढांचे को उच्च न्यायालय के निर्देश पर हटाया जा रहा था, उसी दौरान कुछ लोगों ने सड़क अवरुद्ध कर दिया और धार्मिक नारेबाजी करने लगे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया लेकिन गुस्से से भरे लोगों ने पथराव शुरू कर दिया, जिसमें एक एएसपी और एक डीएसपी सहित छह पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। सिरोही की पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने बताया कि हालात अब काबू में हैं। उन्होंने कहा, ''मंदिर को हटाने की कार्यवाही उच्च न्यायालय के निर्देश पर की जा रहीथी और स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे थे।''

आजमगढ़ से हुआ अखिलेश यादव का मोहभंग ! इस सीट से 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए संकेत

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव फिलहाल मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव को लेकर पूरी ताकत लगा रहे हैं। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद से यह सीट खाली हुई थी। अखिलेश यादव ने यहां से अपनी पत्नी डिंपल यादव को चुनावी मैदान में उतारा है। फिलहाल अखिलेश यादव करहल सीट से विधायक हैं और उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। हालांकि, 2019 के चुनाव में अखिलेश यादव ने आजमगढ़ से जीत हासिल की थी और लोकसभा के सदस्य बने थे। यूपी विधानसभा चुनाव के बाद उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बने थे।

इसी के बाद आजमगढ़ में उपचुनाव हुआ और वहां भाजपा ने जीत हासिल की। भाजपा ने दिनेश लाल यादव निरहुआ को चुनावी मैदान में उतारा था। जबकि समाजवादी पार्टी ने पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव को वहां उतारा था। आजमगढ़ से समाजवादी पार्टी का किला माना जाता है। लेकिन वहां से सपा को हार मिली। 2014 में मुलायम सिंह यादव वहां से सांसद बने थे। ऐसे में इस बात की उम्मीद की जा रही थी कि एक बार फिर से 2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव आजमगढ़ से लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि, अखिलेश यादव ने एक ऐसा बयान दिया है जिसके बाद से ऐसा लगता है कि कहीं ना कहीं उनका आजमगढ़ से मोहभंग हो चुका है।

अखिलेश यादव से संवादादाताओं ने कहा कि डिंपल यादव को आप मैनपुरी क्यों ले गए? डिंपल तो कन्नौज के सांसद रह चुकी हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि 2024 में भी चुनाव है। रिपोर्टर ने पूछा कि क्या आप खुद आएंगे? जवाब में अखिलेश ने कहा कि क्या करेंगे खाली बैठकर। चुनाव तो लड़ना ही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जहां हम पहला चुनाव लड़े हैं, वहीं से चुनाव लड़ेंगे। इसका मतलब साफ है कि कहीं ना कहीं अखिलेश यादव 2024 में कन्नौज लोकसभा सीट से चुनाव

लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, बाद में खुद को संभालते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी तय करेगी कहां से चुनाव लड़ना है। आपको बता दें कि अखिलेश यादव कन्नौज से सांसद रह चुके हैं।

शाह ने कहा कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' में मेधा पाटकर की मौजूदगी गुजरात का सबसे बड़ा अपमान है

अहमदाबाद । (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद अमित शाह ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' में 'नर्मदा विरोधी' कार्यकर्ता मेधा पाटकर का शामिल होना विपक्षी दल द्वारा गुजरात के लोगों का 'सबसे बड़ा अपमान' है। शाह ने अगले महीने होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार कुंवरजी बावलिया के समर्थन में राजकोट जिले के जसदान शहर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''मुकदमेबाजी के जरिए नर्मदा बांध परियोजना को रोकने वाली मेधा पाटकर अब कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के साथ चल रही हैं। पार्टी को जनता को जवाब होगा। यह गुजरात के लोगों के घावों पर नमक छिड़कने जैसा है।''

गुजरात में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में एक दिसंबर को जसदान और 88 अन्य सीटों पर मतदान होगा। 'भारत जोड़ो यात्रा' के आधिकारिक हैंडल के जरिये गांधी के साथ पाटकर की एक तस्वीर ट्वीट की गई थी और साथ ही शीर्षक में लिखा गया था, ''जब आप समाज के लिए कुछ करते हैं, तो समाज की भलाई में शामिल लोग खुद आपके साथ जुड़ जाते हैं... सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुईं।''

शाह ने कहा, ''राहुल गांधी ने एक ऐसे व्यक्ति को साथ लेने का फैसला किया जिसने गुजरात को नर्मदा के पानी से 20 साल तक वंचित रखा था। यह विपक्षी दल द्वारा गुजरात का सबसे बड़ा अपमान है।'' उन्होंने उत्तर पूर्वी मुंबई निर्वाचन क्षेत्र से 2014 के लोकसभा चुनाव में पाटकर को टिकट देने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल को भी आड़े हाथ लिया। शाह ने रैली में कहा, ''लेकिन, वह (केजरीवाल) होशियार हैं। वह समझते हैं कि चुनाव से पहले उन्हें गुजरात लाने का यह सही समय नहीं है। लेकिन उन्होंने 'आप' नेताओं से उन्हें टिकट देने का कारण पूछा।''

उन्होंने गुजरात के राजकोट क्षेत्र में पानी की कमी को समाप्त करने के लिए भाजपा सरकार को श्रेय दिया और कांग्रेस पर सरदार सरोवर बांध परियोजना में विलंब करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, ''सरदार सरोवर बांध की आधारशिला भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मेरे जन्म से एक साल पहले 1963 में रखी थी। जब मैं 58 साल का हुआ तो पानी आखिरकार यहां पहुंच गया। नर्मदा परियोजना को किसने रोका? वर्ष 1963 से 2002 तक कांग्रेस ने इस परियोजना को ठप रखा था।'' शाह ने कहा कि बांध की ऊंचाई नहीं बढ़ाने संबंधी कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के फैसले के खिलाफ गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे थे।

धन शोधन के एक मामले में सजा काट रहे नवाब मलिक की जमानत पर आज आ सकता है फैसला

नई दिल्ली। मुंबई की एक विशेष अदालत धन शोधन के एक मामले में गिरफ्तार महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक की जमानत याचिका पर बृहस्पतिवार को फैसला सुना सकती है। मलिक (62) के खिलाफ धन शोधन का मामला भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके साथियों की गतिविधियों से जुड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता मलिक को इस साल फरवरी में गिरफ्तार किया था। विशेष न्यायाधीश आर एन रोकडे ने 14 नवंबर को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मलिक की जमानत पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

श्रद्धा हत्याकांड पर बोले ओवैसी, ये लव जिहाद का मामला नहीं, सियासी रोटी सेंक रही बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में श्रद्धा मर्डर केस को लेकर चर्चा लगातार जारी है। श्रद्धा की हत्या उसके लिव-इन पार्टनर आफताब ने गला घोंटकर की थी। आफताब फिलहाल पुलिस हिरासत में है और उसे से इस मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है। यह मर्डर केस 6 महीने के बाद सामने आया है। भाजपा इसे लेकर लगातार लव जिहाद का मुद्दा उठा रही है। इन सबके बीच एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी का बयान सामने आया है। असदुद्दीन ओवैसी ने साफ तौर पर लव जिहाद के मामले से इनकार किया है। उन्होंने भाजपा पर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। अपने बयान में असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि बीजेपी की सियासत बिल्कुल गलत है। यह लव जिहाद का मामला नहीं है।

ओवैसी ने आगे कहा कि ये महिला की हत्या, उस पर जुल्म, अत्याचार का वाक्या है। हमने इसकी निंदा की है। देश के मर्दों के दिमाग में महिलाओं पर जुल्म करने की बीमारी है, उनके दिमाग का इलाज कराना चाहिए। वहीं भाजपा के कुछ नेताओं ने इस मामले को पूरी तरीके से लव जिहाद जोड़ा था। लेकिन ओवैसी ने साफ तौर पर कहा है कि यदि इसे मजहब का चश्मा लगाकर देखते हैं तो यह नाइंसाफी होगी। उन्होंने सवाल किया कि अगर यह लव जिहाद है तो आजमगढ़ में प्रिंस यादव का फिर मामला क्या था। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने भी साफ तौर पर कहा था कि देश को लव जिहाद के खिलाफ एक सख्त कानून की जरूरत है।

वहीं, दूसरी ओर श्रद्धा वालकर की हत्या मामले में आरोपी आफताब अमीन पूनावाला की पॉलीग्राफी जांच का दूसरा सत्र रोहिणी में फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) में शुरू हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को जांच नहीं हो पायी थी क्योंकि 28 वर्षीय पूनावाला को बुखार तथा जुकाम था। एफएसएल के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस उसे यहां लेकर आयी और पॉलीग्राफी जांच की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। इस जांच में देरी से पूनावाला की नार्को जांच में भी देरी हो गयी है। पॉलीग्राफी जांच में रक्तचाप, नब्ज और सांस की दर जैसी शारीरिक गतिविधियों को रिकॉर्ड किया जाता है और इन आंकड़ों का इस्तेमाल यह पता लगाने में किया जाता है कि व्यक्ति सच बोल रहा है या नहीं।

प्री-लॉन्च समारोह में बोले जयशंकर, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की शुरुआत खाद्य सुरक्षा से हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स के प्री-लॉन्च समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत में विश्व में सबसे ज्यादा 17 मिलियन टन मिलेट्स का उत्पादन किया जाता है, जो विश्व के कुल उत्पादन का 20त्न है। मैं खाद्य सुरक्षा के लिए तीन चुनौतियां देखता हूं- कोविड, संघर्ष, जलवायु। प्रत्येक ने खाद्य सुरक्षा को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है।

प्री-लॉन्च समारोह में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की शुरुआत खाद्य सुरक्षा से हुई। अपने स्वयं के भोजन को सुरक्षित करने और यह देखने के लिए मौलिक आग्रह कि वे दूसरों से भोजन कैसे प्राप्त कर सकते हैं। यही कारण है कि हम बाजरा के भारतीय वर्ष को बाजरा के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष में ले जाने के इच्छुक थे। हम बाजरे के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक हैं, दुनिया के उत्पादन का लगभग 20प्र. हमारा है। एस जयशंकर ने कहा कि अगर देखा जाए कि अंतर्राष्ट्रीय संबंध देशों के बीच क्यों शुरू हुए। ये कहा जा सकता है कि ये खाद्य सुरक्षा के लिए शुरू हुआ, जिससे वे अपने लिए खाने की उपलब्धता सुनिश्चित कर सकें और देख सकें कि वे दूसरों से खाना कैसे प्राप्त कर सकते हैं।

राज्यपाल कोश्यारी के बयान पर बोले शरद पवार, उन्होंने सारी हदें पार कर दीं, राष्ट्रपति और पीएम को करना चाहिए हस्तक्षेप

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी इन दिनों सुर्खियों में है। दरअसल, छत्रपति शिवाजी को लेकर उनके द्वारा जो बयान दिया गया था उसके बाद से महाराष्ट्र के विपक्षी दल लगातार उन पर हमलावर है। इतना ही नहीं, विपक्ष भाजपा पर भी निशाना साध रहा है तथा उन को हटाए जाने की मांग कर रहा है। इन सब के बीच वरिष्ठ नेता और एनसीपी प्रमुख शरद पवार का भी बयान सामने आ गया है। अपने बयान में शरद पवार ने साफ तौर पर कहा है कि राज्यपाल ने सारी हदें पार कर दी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। एनसीपी प्रमुख ने यह भी कहा कि गैर जिम्मेदाराना बयान देने वालों को बड़े पद देना ठीक नहीं है।

इससे पहले भाजपा सांसद

छत्रपति उदयनराजे भोसले ने कोश्यारी के बयान पर कहा कि राज्यपाल को दिल्ली तलब किया गया है। मुझे लगता है कि वे उनकी जगह लेंगे और उन्हें उनकी जगह लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह बड़े पैमाने पर लोगों के बीच वैमनस्य पैदा कर रहा है। यह तब तक नहीं रुकने वाला जब तक कोई समाधान प्रदान नहीं किया जाता। इससे पहले अजित पवार ने दावा किया कि महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने उन्हें बताया कि वह अपने पद को छोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार जब मैं राज्यपाल कोश्यारी से मिलने राज भवन जाता था तो वह कई दफा कहते थे कि वह राज्य को छोड़ना चाहते हैं। मैंने उनसे यह बात अपने वरिष्ठों को बताने के लिए भी कहा था ताकि वे उनकी इच्छा पर गौर कर सकें।

बवाल बढ़ने पर राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि जब तक सूरज और चंद्रमा का अस्तित्व रहेगा, महान योद्धा शिवाजी राज्य और देश के नायक और आदर्श बने रहेंगे। कोश्यारी ने औरंगाबाद में शनिवार को महाराष्ट्र में 'आदर्श लोगों' की बात करते हुए बी आर आंबेडकर और नितिन गडकरी का जिक्र किया और कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ''पुराने जमाने'' के आदर्श थे। फडणवीस ने कहा कि एक बात स्पष्ट है कि जब तक सूर्य और चंद्रमा का अस्तित्व रहेगा, छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र और हमारे देश के नायक और आदर्श बने रहेंगे। उन्होंने कहा, यहां तक कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के मन में भी इस बारे में कोई संदेह नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि अगर एक पेड़ काटने की जरूरत है तो दो लगाने के बाद ही काटें

नई दिल्ली। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने जल शक्ति मिशन के तहत बोरवेल और ओवर हेड टैंक के निर्माण के लिए पेड़ काटे जाने की जरूरत के मद्देनजर आदेश दिया है कि जहां एक पेड़ काटना अनिवार्य हो, वहाँ अधिकारी एक के स्थान पर दो पेड़ लगाएं और उसकी समुचित देखभाल सुनिश्चित करें। अदालत ने कहा कि कोई भी पेड़ वन विभाग की अनुमति के बाद ही काटा जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की खंडपीठ ने अनिल कुमार द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिका में उस प्रस्ताव को चुनौती दी गई थी जिसके तहत सीतापुर के बरगवां गांव में जल शक्ति मिशन के तहत बोरवेल और ओवर हेड टैंक के निर्माण के लिए एक जमीन को चिन्हित किया गया है। याची की ओर से दलील दी गई थी कि उक्त जमीन पर काफी मात्रा में पेड़ लगे हुए हैं, जिन्हें बोरवेल और ओवर हेड टैंक के निर्माण के लिए काट दिया जाएगा।

हरियाणा में 29 हजार लीटर शराब गटकने के बाद अब यूपी में चूहों ने खाया 500 किलो गांजा ! मथुरा पुलिस की रिपोर्ट पर कोर्ट भी हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ये कोई साल भर पहले की बात होगी जब हरियाणा से आई एक खबर ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। हरियाणा पुलिस की तरफ से बताया गया था कि 29 हजार लीटर शराब चूहों ने गटक लिया। थानों के मालखाने से 29 हजार लीटर शराब बोतलों व कंटेनरों से गायब मिली है। पुलिस का कहना है कि ये काम चूहों ने किया है। अब चूहों पर 500 किलो गांजा खाने का आरोप लगा है। ताजा मामला उत्तर प्रदेश के मुथरा का है। मथुरा पुलिस द्वारा एक विशेष नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (1985) अदालत को सौंपी गई एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चूहों ने 500 किलोग्राम से अधिक मारिजुआना (गांजा) ÷खा लिया, जिसे जब्त कर शेरगढ़ और राजमार्ग पुलिस स्टेशनों के गोदामों में रखा गया था।

ये विचित्र दावा तब किया गया जब अदालत ने इस साल की शुरुआत में मथुरा पुलिस को एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में बरामद मारिजुआना पेश करने के लिए कहा था। यह सुनकर, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश ने पहले एसएसपी मथुरा अभिषेक यादव को 'चूहों के खतरे' से छुटकारा पाने का आदेश दिया और फिर सबूत पेश किया कि चूहों ने वास्तव में 581 किलोग्राम मारिजुआना खा लिया, जिसकी कीमत 60 लाख रुपये है।

चूहे, हालांकि आकार में छोटे, पुलिस से नहीं डरते, अधिकारियों ने न्यायाधीश को बताया। कोर्ट ने पुलिस गोदामों में रखे गांजे की नीलामी/निपटान के लिए पांच सूत्री निर्देश भी जारी किए हैं। मथुरा के कार्यकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मार्तंड पी सिंह ने कहा, 'अदालत के आदेशों के अनुपालन में समयबद्ध कार्रवाई की जाएगी। विशेष लोक अभियोजक रणवीर सिंह ने कहा कि शेरगढ़ और राजमार्ग पुलिस स्टेशनों के एसएचओ ने दावा किया है कि गोदामों में रखी 581 किलोग्राम चरस को चूहों ने नष्ट कर दिया। पुलिस को उक्त भंडारण क्षेत्रों में रखे पदार्थों की रक्षा करना असंभव लग रहा है। अदालत ने पुलिस को दावे के संबंध में सबूत पेश करने और अगली सुनवाई की तारीख 26 नवंबर निर्धारित करने का आदेश दिया है।'

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पांडेसरा की आकृति मिल में लगी आग, दो मजदूर झुलसे,जान बचाने महिला सहित 7 कुदे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा स्थित आकृति डाईंग मिल में अचानक आग लग गई। जिसके बाद मिल में अफरा तफरी की स्थिति थी। आग की इस घटना में झुलसे दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक कर्मचारी ने पहली मंजिल से छलांग लगाई तो उसे अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। चार दमकल केंद्रों की 10 से अधिक गाडियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। मिल में फंसे 15 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया।एक महिला ने जान बचाने के लिए छलांग लगाई तो उसकी हड्डी टूट गई।

आकृति मिल में आग लग गई सूरत में आग लगने की एक और घटना सामने आई है। सूरत के पांडेसरा जीआईडीसी स्थित आकृति डाइंग मिल में आज दोपहर अचानक आग लग गई। जिससे इलाके में पहले ही अफरातफरी का माहौल बन गया था। घटना की सूचना विभाग को देने के बाद दमकल की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए।

10 से ज्यादा वाहनों में आग लग गई दमकल विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सूरत के पांडेसरा जीआईडीसी स्थित आकृति डाईंग मिल में अचानक आग लगने की सूचना मिली। लिहाजा दमकल विभाग का काफिला मौके पर पहुंचा। जिस तरह से घटना की सूचना दी गई, उसे लेकर चार अलग-अलग फाइल विभागों की गाड़ियां घटना स्थल पर भेजी गईं। आग पर काबू पाने के लिए मजूरा, डिंडोली, मान दरवाजा और भेस्तान दमकल विभाग की 10 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। घटना को लेकर दमकल विभाग ने आग पर पानी का प्रयोग कर आग पर काबू पाया।

मिल की सेंटर मशीन से आग लग गई दमकल विभाग की सूचना पर स्टाफ ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर तत्काल काबू पा लिया गया।

इसके कारणों की पड़ताल करने पर पता चला कि मिल के सेंटर मशीन में किसी कारण से आग लग गई थी। देखते ही देखते आग फैल गई थी। आग से तीन मीलों तक धुआं फैल गया। मशीन के पास काफी मात्रा में ग्रे कपड़ा और तेल गिरा हुआ था। तभी आग लगने से ग्रे कपड़े और तेल की टंकी आग की चपेट में आ गई और आग और ज्यादा फैल गई। अगलगी की घटना में दो कर्मचारी झुलस गये, एक गिर गया मिल में आग लगने की सूचना मिलते ही मिल में काम कर रहे कर्मचारी भाग खड़े हुए। आग से बचने के लिए एक कर्मचारी ने पहली मंजिल से छलांग लगा दी और उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया।

इस घटना में दो कर्मचारी 25 से 30 फीसदी तक झुलस गए। मशीन के पास काम करने के दौरान 50 वर्षीय दिनेशभाई और 41 वर्षीय सुनशुन यादव दोनों मजदूर आग की चपेट में आ गए। झुलसे दोनों कर्मचारियों को तत्काल इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आग में आठ कर्मचारियों की दम घुटने की असर दिखी

मिल की सेंटर मशीन में आग लग गई और आसपास का तेल व कपड़ा जल गया। जिससे आसपास की तीन मीलों तक धुंआ फैल गया।

उस वक्त मिल में काम करने वाली महिला कर्मचारियों से लेकर पुरुष कर्मचारी इस धुएं के शिकार थे। इस घटना में दो कर्मचारी झुलस गए और आठ कर्मचारी धुएं के कारण घायल हो गए। जिसमें लक्ष्मी कुमारी (44 वर्ष), लीम सेठी (20 वर्ष), पूजा सेठी (18 वर्ष), सोनादेवी पासवान (25 वर्ष), शशिकांत देवारी (36 वर्ष), ममता कुमारी (18 वर्ष), सीमाराव शंकर यादव (42 वर्ष)) और सुनंदा देवीदास मिजान (33 वर्ष)।) ये सभी कर्मचारी धुएं के संपर्क में आने से घायल हो गए। उन्हें तुरंत बाहर निकाला गया और इलाज किया गया।

आग से 10 से 15 कर्मचारियों को बचा लिया गया आग की इस घटना से यहां अफरातफरी मच गई। धुएं के गुबार नजर आए। कारीगर व कर्मचारी जान बचाकर भागे। आग लगने की घटना स्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाने के साथ ही कर्मचारियों को भी रेस्क्यू किया गया.

मिल की दूसरी मंजिल पर फंसे करीब 15 कर्मचारियों को दमकल विभाग ने हाइड्रॉलिक मशीन और सीढ़ी की मदद से बाहर निकाला।

उधना में आइसर ने मां-बच्चों को मारी टक्कर, दो बच्चों की मौत, इलाज के दौरान महिला की भी मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गमख्वार हादसा सूरत के उधना इलाके में हुआ। हादसा उधना बस स्टॉप के सामने हुआ, जिसमें आइसर चालक पूरी गति से आइसर चला रहा था। आइसर चालक पूरी गति से आ रहा था। यहां से गुजर रहे दो बच्चों और एक महिला को उसने टक्कर मार दी। हादसे में बच्चे और महिला दोनों फंस गए। सिर में गंभीर चोट लगने से दोनों बच्चों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उधर,

हादसे में सिविल अस्पताल में उपचार के दौरान हैप्पी शर्मा व समर्थ शर्मा की मौत हो गई जबकि मां का इलाज चल रहा है। देर शाम इलाज के दौरान मां की भी मौत हो गई

घायल महिला और मृतक बच्चों को सिविल अस्पाल ले गए सूरत के उधना इलाके में एक हादसा सामने आया है। आइसर चालक ने दो बच्चों व एक महिला को टक्कर मार दी। जिसमें दोनों बच्चों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। पूरे हादसे को लेकर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। फिलहाल पुलिस हादसे की आगे की जांच भी कर रही है।

दुर्घटना काफी दर्दनाक थी

पता चला कि आइसर का चालक हादसा कर भाग गया है। हादसे को लेकर वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई थी।

लोगों ने 108 को सूचना दी लोगों की मदद से 108 में महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस का काफिला भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने इस पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है। साथ ही आक्रोशित लोगों ने वहां आइसर में तोड़फोड़ की, पुलिस ने आइसर को जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

बच्चों को चिकित्सा मिले उससे पहले ही मौत हो गई

सिविल अस्पताल के डॉक्टर ओंकार मिश्रा ने बताया कि स्कूल ड्रेस में दो बच्चों और उनकी मां को अस्पताल लाया गया था। यहां इलाज के पहले ही दोनों बच्चों की मौत हो गई। मां का इलाज चल रहा है। घटना उस वक्त हुई जब दोनों बच्चे स्कूल जा रहे थे। बच्चों से प्राप्त आई-कार्ड के अनुसार बच्चों में से एक बच्चे की पहचान पांडेसरा अर्विभव सोसायटी निवासी हैप्पी शर्मा व समर्थ देवकी नंदन शर्मा (7) के रूप में हुई है। इलाज के दौरान देर शाम महिला की भी मौत हो गई।